Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 156
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

लखनऊ-रविवार,05 अक्टूबर 2025 लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 मुख्यमंत्री से दिवाली से पहले बोनस देने की मांग 4 स्वदेशी एवं स्वावलम्बन ही नये भारत का आधार 5 तेरे इश्क में का टीजर रिलीज होते ही छाया, फैंस

100 वर्ग मीटर से बड़े सभी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य हो: सीएम

लखनऊ (संवाददाता)। भूजल के स्तर को बनाये रखने के लिये वर्षा जल का संचयन की आवश्यकता जताते हुये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि सौ वर्ग मीटर क्षेत्रफल से बड़े सभी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवाये किया जाना चाहिये। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग (लघु सिंचाई) की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में योगी ने कहा श जल संकट आज हमारी सामूहिक चिंता का विषय बन चुका है। चेक डैम, तालाब और ब्लास्टकूप वर्षा जल को रोककर धीरे-धीरे उसे भूमि में समाहित होने देते हैं। यह केवल स्थानीय प्राथमिकता नहीं है बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता है। सीएम योगी ने कहा, चेक डैम, तालाब और ब्लास्टकूप केवल पानी रोकने की व्यवस्था नहीं बल्कि समेकित जल प्रबन्धन है, जो बड़े बांधों की तुलना में यह काफी किफायती है।श उन्होंने निर्देशित किया कि एक पेड़ मां के नामश की तर्ज पर जनांदोलन बनाते हुए चेक डैम, तालाब और ब्लास्टकूप का निर्माण एवं जीर्णोद्धार कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश विभिन्न भागों स्थानीयध्बरसाती नदीध नालों में विभाग द्वारा अद्यतन 6,448 चेक डैमों का निर्माण किया जा चुका है। प्रत्येक चेकडैम से औसतन 20 हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचन क्षमता विकसित होती है। इस प्रकार निर्मित चेकडैमों से कुल 1,28,960 हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचन क्षमता सृजित हुई है और हर साल 10 हजार हेक्टेयर मीटर से अधिक भूजल रिचार्ज हो रहा है। सीएम योगी ने कहा कि इन प्रयासों से अन्नदाता किसान वर्ष में दो से तीन फसल लेने में सक्षम हुए हैं। उन्होंने कहा कि वर्षा जल संचयन और ग्राउंड वाटर रिचार्जिंग की दिशा में प्रदेश सरकार लगातार कदम उठा रही है। वित्तीय वर्ष 2022-23 से अब तक 1,002 चेकडैमों की डी-सिल्टिंग और मरम्मत कर उनकी क्षमता में वृद्धि की गई है। इसी तरह प्रदेश के 1 से 5 हेक्टेयर के 16,610 तालाबों में से 1,343 का पुनर्विकास और जीर्णोद्धार किया गया है, वहीं वर्ष 2017-2025 तक 6192 ब्लास्टकूप के माध्यम से 18576 हेक्टेयर सिंचन क्षमता सृजित हुई है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि बरसात से पहले यानी 1 अप्रैल से 15 जून तक कुम्हारों को तालाब से मुफ्त मिट्टी निकालने की छूट दी जाए, ताकि तालाब रिचार्ज के लिए तैयार हो सकें। बरसात के बाद इन्हें मत्स्य पालन और सिंघाड़ा उत्पादन के लिए उपयोग में लाकर बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर सृजित किए जाएं। रेन वाटर हार्वेस्टिंग पर विशेष बल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 100 वर्ग मीटर से बड़े सभी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की सुविधा अनिवार्य रूप से होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिए यह कदम निर्णायक साबित होगा।

पंचायतों को 361 और निकायों को 333 समेत 986 करोड़ के बजट को सीएम की मंजूरी

देहरादून (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने त्रिस्तरीय पंचायतों के गठन के बाद शुक्रवार को इनके 361.25 करोड़ और निकायों को 333 करोड़ रुपये बजट को स्वीकृति दे दी। इसके साथ ही विभिन्न योजनाओं के लिए कुल 986 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी गई। मुख्यमंत्री धामी ने चंपावत की बाराकोट तहसील के अनावसीय भवन निर्माण कार्य के लिए 3.03 करोड़, हरिद्वार के ऑफिसर्स कॉलोनी में श्रेणी-05 के दो शासकीय आवासों के निर्माण के लिए 1.86 करोड़, पौडी में मीटिंग हॉल एवं अतिरिक्त कक्षों के निर्माण के लिए 2.08 करोड़, चम्पावत के लोहाघाट बस स्टेशन में कार्यालय भवन, कार्यशाला और स्टोर कक्ष निर्माण कार्य के लिए 7.16 करोड़ की धनराशि की स्वीकृति दी। सीएम ने पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर समस्त जिला पंचायतों को वित्तीय वर्ष 2025-26 की तृतीय किस्त के लिए 83.25 करोड़, क्षेत्र पंचायतों को द्वितीय छमाही किस्त के लिए 78 करोड़ और ग्राम पंचायतों को द्वितीय छमाही किस्त के लिए 200 करोड़ की धनराशि अवमुक्त करने का अनुमोदन दिया। पंचम राज्य वित आयोग की संस्तुतियों पर शहरी स्थानीय निकायों को वित्तीय वर्ष 2025-26 की तृतीय त्रैमासिक किस्त के लिए 333 करोड़ और तीन गैर-निर्वाचित निकायों को द्वितीय छमाही के लिए तीन करोड़ की धनराशि अवमुक्त किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

मध्य प्रदेश सरकार ने बच्चों की मौत के बाद किया बड़ा ऐलान, पूरे प्रदेश में कफ सिरप की बिक्री पर लगाया बैन

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में कफ सिरप पीने से हुई बच्चों की मौत के मामले में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बड़ा ऐलान किया है और इस हादसे के लिए जिम्मेदार कोल्ड्रिफ कफ सिरप को पूरे प्रदेश में प्रतिबंधित कर दिया है। दरअसल पिछले दिनों छिंदवाड़ा जिले में कई बच्चे बुखार के साथ सर्दी-खांसी से पीड़ित थे। इन बच्चों में से 9 की बाद में उपचार के दौरान मौत हो गई और यह कहा गया कि बच्चों की मौत की बड़ी वजह कफ सिरप है। इसी के आधार पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को बड़ा ऐलान किया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि छिंदवाड़ा में कोल्ड्रिफ सिरप के कारण हुई बच्चों की मृत्यु अत्यंत दुखद है। इस सिरप की बिक्री को पूरे मध्य प्रदेश में बैन कर दिया गया है। सिरप को बनाने वाली कंपनी के अन्य प्रोडक्ट की बिक्री पर भी बैन लगाया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा है कि सिरप बनाने वाली फैक्ट्री कांचीपुरम में है, इसलिए घटना के संज्ञान में आने के बाद राज्य सरकार ने तमिलनाडु सरकार को जांच के लिए कहा था। आज सुबह जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई। रिपोर्ट के आधार पर कड़ा एक्शन लिया गया है।

नक्सलियों के लिए अमित शाह का सख्त संदेश : आओ, हथियार डाल दो, आकर्षक नीति तैयार है

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि छत्तीसगढ़ में नक्सली आंदोलन पर लगाम लगाने के प्रयासों के तहत सरकार ने एक लाभदायक आत्मसमर्पण नीति तैयार की है। नक्सलियों से बातचीत की माँग पर शाह ने कहा कि इस बारे में बात करने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि केंद्र और छत्तीसगढ़ की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार बस्तर सहित पूरे नक्सल प्रभावित क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय गृह मंत्री ने बस्तर में शांति भंग करने के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि राज्य की मशीनरी इसका कड़ा जवाब देगी। उन्होंने कहा कि इस देश की धरती से नक्सलवाद को अलविदा कहने के लिए 31 मार्च, 2026 की तारीख तय की गई है। शाह ने यहाँ बस्तर दशहरा समारोह में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ लोग (नक्सलियों से) बातचीत की बात करते हैं। मैं एक बार

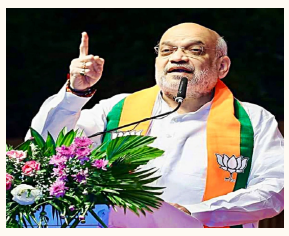

फिर स्पष्ट कर देना चाहता हूँ: हमारी दोनों सरकारें, छत्तीसगढ़ सरकार और केंद्र सरकार, बस्तर और पूरे नक्सली क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित हैं। इसमें बात करने की क्या बात है? हमने एक बहुत ही आकर्षक आत्मसमर्पण नीति बनाई है। आइए, हथियार डाल दीजिए। शाह ने साफ तौर पर कहा कि अगर आप हथियार उठाएँगे और बस्तर की शांति भंग करने की कोशिश करेंगे, तो हमारे सशस्त्र बल, सीआरपीएफ और छत्तीसगढ़ पुलिस जवाब देंगे। 31 मार्च, 2026 इस देश की धरती से नक्सलवाद को अलविदा कहने के लिए तय किया गया है। स्वदेशी अपनाने के आह्वान की वकालत करते हुए, शाह ने कहा, अगर 140 करोड़ की आबादी स्वदेशी के संकल्प को अपना ले, तो हमारे भारत को दुनिया की शीर्ष आर्थिक व्यवस्था बनने से कोई नहीं रोक सकता। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में जीएसटी दरों में कमी करके एक बड़ी राहत प्रदान की है। अगर हम स्वदेशी की संस्कृति को अपनाएँ, तो हमारे देश की अर्थव्यवस्था को बहुत गति मिलेगी। शाह ने बस्तर के युवाओं से नक्सल आंदोलन में शामिल न होने की सलाह देते हुए हिंसा का रास्ता छोड़ने की अपील की।

पीएम ने की 62 हजार करोड़ की योजनाओं की शुरूआत, बिहार के युवाओं को विशेष सौगात

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार पर विशेष जोर देते हुए 62,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न युवा-केंद्रित पहलों का शनिवार को अनावरण किया। पीएम मोदी ने 60,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ एक केंद्र प्रायोजित योजना पीएम-सेतु (प्रधानमंत्री कौशल विकास एवं रोजगार योग्यता परिवर्तन उन्नत आईटीआई के जरिये) की शुरूआत की। इस योजना में 1,000 सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को हब-एंड-स्पोक मॉडल में उन्नत करने की परिकल्पना की गई है जिसमें 200 हब आईटीआई और 800 स्पोक आईटीआई शामिल हैं। हब एंड स्पोक मॉडल एक वितरण प्रणाली है जो साइकिल के पहिये की तरह काम करती है जिसमें एक हब (केंद्र) होता है जो सभी स्पोक (छोटे, सहायक स्थानों) को आपस में जोड़ता है। प्रत्येक हब औसतन चार स्पोक से जुड़ा होगा जिससे उन्नत बुनियादी ढांचे, आधुनिक उद्यमों, डिजिटल शिक्षण प्रणालियों और इनक्यूबेशन सुविधाओं से सुसज्जित संकुलों का निर्माण होगा। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कहा, सामूहिक रूप से पीएम-सेतु भारत के आईटीआई पारिस्थितिकी तंत्र को फिर से परिभाषित करेगा, इसे सरकारी स्वामित्व वाला लेकिन उद्योग-प्रबंधित बनाएगा और इसमें विश्व बैंक एवं एशियाई विकास बैंक से वैश्विक सह-वित्तपोषण सहायता भी मिलेगी। बयान के मुताबिक योजना के कार्यान्वयन के पहले चरण में बिहार के पटना और दरभंगा में आईटीआई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसमें कहा गया कि कार्यक्रम का विशेष बल बिहार में परिवर्तनकारी परियोजनाओं पर होगा जो राज्य की समृद्ध विरासत और युवा जनसांख्यिकी को प्रतिबिंबित करेगा। मोदी ने बिहार की संशोधित मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना की भी शुरूआत की जिसके तहत हर साल लगभग पांच लाख स्नातकों को दो साल तक 1,000-1,000 रुपये का मासिक भत्ता मिलेगा और मुफ्त कौशल प्रशिक्षण भी दिलाया जाएगा। उन्होंने नए सिरे से तैयार की गई बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की भी शुरूआत की जिसके तहत चार लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जाएगा।

ट्रक ने सड़क किनारे खड़े कार सवारों को कुचला, तीन की दर्दनाक मौत

पीलीभीत (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में शनिवार सुबह सड़क दुर्घटना में 3 लोगों की मौत हो गई जबकि एक महिला की हालत गंभीर है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि तीनों लोग कार से दिल्ली से काठमांडू जा रहे थे, इस दौरान रास्ते में कार का टायर पंचर होने पर वे सड़क किनारे खड़े थे, तभी तेज रफ्तार ट्रक उन्हें रौंदता हुआ निकल गया। बीसलपुर कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि बीसलपुर बरेली मार्ग पर स्थित भड़रिया मोड़ पर सड़क किनारे शनिवार तड़के लगभग 5 बजे यह दुर्घटना हुई। उन्होंने बताया कि 2 लोगों की मौत दुर्घटनास्थल पर ही हो गई जबकि तीसरे व्यक्ति ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान दिल्ली के इंदिरा पार्क के निवासी कार के मालिक गणेश कु मार (25) और नेपाल के काठमांडू के रहने वाले कार चालक निखिल (19) के रूप में हुई है जबकि तीसरे व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

जयराम रमेश का दावा:

बिहार वोटर लिस्ट में बड़ा फजीर्वाड़ा, भाजपा की बी-टीम बन चुका चुनाव आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार को दावा किया कि बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद अंतिम मतदाता सूची में अनियमितताएं सामने आई हैं। एक मीडिया रिपोर्ट साझा करते हुए, रमेश ने आरोप लगाया कि एक ही घर में 247 मतदाता पाए गए और एक ही बूथ पर एक व्यक्ति का नाम तीन बार दिखाई दिया। यह आरोप लगाते हुए कि एसआईआर सत्तारूढ़ सरकार के इशारे पर आयोजित किया गया था, उन्होंने चुनाव आयोग को भाजपा की बी-टीम

कहा। कांग्रेस नेता ने एक एक्स पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि चुनाव आयोग ने भाजपा के इशारे पर पूरे एसआईआर नाटक की योजना बनाई है। यहाँ तक कि अंतिम एसआईआर में चुनाव आयोग द्वारा सुधारों के दावे भी झूठे साबित हो रहे हैं। बिहार के सभी क्षेत्रों से ऐसी रिपोर्टें आ रही हैं जो इस बात की पुष्टि करती हैं कि पूरी प्रक्रिया का एकमात्र उद्देश्य भाजपा और उसके सहयोगी दलों को राजनीतिक लाभ पहुँचाना है। उन्होंने आगे कहा, ₹एसआईआर प्रक्रिया के बाद भी, अंतिम सूची में अनियमितताओं के कई उदाहरण दर्शाते हैं कि चुनाव आयोग को सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट आदेशों की कोई परवाह नहीं है। भाजपा की बी-टीम की तरह काम करते हुए, चुनाव आयोग पूरी तरह से बेशर्मी पर उतर आया है।₹ इसके अलावा, जयराम रमेश ने कथित अनियमितताओं पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जवाब माँगा। उन्होंने लिखा, ₹क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार बताएँगे कि एक ही घर में 247 मतदाता कैसे पाए गए और एक ही बूथ पर एक ही व्यक्ति का नाम 3-3 बार क्यों दिखाई दिया?

संभल में अवैध मस्जिद पर चलेगा बुलडोजर, हाई कोर्ट ने रद्द की कमेटी की मांग

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने संभल जिले में कथित तौर पर तालाब की जमीन पर बनी एक मस्जिद को ढहाए जाने के खिलाफ दायर एक रिट याचिका शनिवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति दिनेश पाठक ने मस्जिद समिति की एक याचिका पर यह आदेश पारित किया।याचिकाकर्ता ने कहा कि स्थानीय मुस्लिम समुदाय 2009 से जिले के गोसुलबारा रावण बुजुर्ग इलाके में स्थित मस्जिद में शांतिपूर्वक नमाज अदा कर रहा है और

मस्जिद ढहाए जाने का प्रशासनिक आदेश पारित करने से पहले उन्हें कोई उचित नोटिस या सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया। मामले की तत्काल सुनवाई की गई क्योंकि याचिका में इस बात पर जोर दिया गया था कि मस्जिद ढहाने के प्रशासनिक आदेश के मद्देनजर दशहरा अवकाश के दौरान सुनवाई की जरूरत है। याचिका में आरोप लगाया गया था कि दो सितंबर को अधिकारियों ने कथित तौर पर मस्जिद ढहाने का आदेश पारित किया था। याचिका में दावा किया गया था कि दो अक्टूबर तक याचिकाकर्ता को आदेश की प्रति नहीं दी गई।

महाराष्ट्र-7 साल की बच्ची का रेप-मर्डर, आरोपी गिरफ्तार

भिवंडी (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी में 33 साल के एक पावरलूम मजदूर ने पड़ोस में रहने वाली सात साल की एक बच्ची के साथ रेप किया और गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। फिर बच्ची के शव को एक बोरे में बंद करके भाग गया। घटना 1 अक्टूबर की है। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। आरोपी ने इसी पैटर्न पर साल 2023 में रेप-मर्डर की एक और घटना को अंजाम दिया था। तब उसने भिवंडी में ही छह साल की बच्ची के साथ हैवानियत की और फिर उसकी जान ले ली थी। उस मामले में वह जेल में था। दो महीने पहले अदालत से पेशी के दौरान भाग गया था। पुलिस ने उसे 1 अक्टूबर को घटनास्थल से दो किलोमीटर दूर फिर से गिरफ्तार कर लिया। वह घटना को अंजाम देने के बाद बिहार के मधुबनी स्थित अपने घर भागने की कोशिश कर रहा था।

यमुना के दोनों किनारों पर बनेंगे 1000 घाट: मुख्यमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छठ पूजा उत्सव से पहले दिल्ली के लक्ष्मी नगर में यमुना

नदी का निरीक्षण किया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एएनआई को बताया कि छठ पूजा यमुना घाटों पर मनाई जाएगी और हम यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं कि इस वर्ष दिल्लीवासियों को यह सुंदर और ऐतिहासिक छठ उत्सव मनाने का अवसर मिले। उन्होंने आगे कहा कि हम पल्ला से लेकर यमुना नदी के घनी आबादी वाले इलाके ओखला के आखिरी कोने तक छठ घाट बनवाएंगे। रेखा गुप्ता ने यह भी कहा कि सरकार उत्सव के लिए लगभग 1000 छठ घाट बनाएगी और इस उत्सव की साफ-सफाई और सभी व्यवस्थाओं की ज़िम्मेदारी दिल्ली सरकार की होगी। उन्होंने आगे कहा कि छठ के कारण यमुना कभी गंदी नहीं होगी, यह स्वच्छता का एक पवित्र त्योहार है और यह लोगों को प्रकृति से जोड़ता है। हमारी सरकार छठ पूजा के दौरान किसी भी तरह की समस्या से निपटने के लिए तैयार है। सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस साल राष्ट्रीय राजधानी में छठ पूजा भव्य होगी और यमुना नदी के दोनों किनारों पर व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि घाटों की सफाई पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि छठ पूजा उत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए, इस वर्ष हम इसके लिए एक विस्तृत योजना और तैयारियाँ करेंगे। नदी के दोनों किनारों पर छठ पूजा की व्यवस्था की जाएगी। घाटों की सफाई पर ध्यान दिया जाएगा।

कोलंबिया में कहा जाए या कानपुर में, सच यही है कि भाजपा सरकार आर्थिक मोर्चे पर विफल रही: कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने राहुल गांधी पर भाजपा के हमले को लेकर शनिवार को पलटवार करते हुए कहा कि चाहे कोलंबिया में बोला जाए या कानपुर में बोला जाए, लेकिन सच्चाई यही है कि भाजपा की सरकार आर्थिक मोर्चे पर विफल रही और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर कब्जे की उसकी कोशिश के कारण दुनिया भर में भारत की बदनामी हो रही है। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह आरोप भी लगाया कि प्रधानमंत्री बनने से पहले और उसके बाद कई वर्षों तक नरेन्द्र मोदी ने अपनी विदेश यात्राओं का इस्तेमाल न केवल कांग्रेस पर हमला

करने के लिए किया, बल्कि भारत और उसके लोगों का अपमान भी किया। भाजपा ने कोलंबिया में दिए बयान के लिए शुक्रवार को राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला था और आरोप लगाया था कि वह देश में भारत विरोधी ताकतों का एजेंडा आगे बढ़ाने के लिए उनके झंडाबरदार बन गए हैं। वेणुगोपाल ने एक्स पर पोस्ट किया, भाजपा की आदत अपनी विफलताओं के लिए कांग्रेस को दोषी ठहराने की है, जिससे हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी उठानी पड़ी है। चाहे यह कोलंबिया में कहा जाए या कानपुर में, वास्तविकता यही है कि भारत की सरकार हमारी अर्थव्यवस्था की विशाल क्षमता का दोहन करने में विफल रही है और हमारे जन सांख्यिकीय लाभांश को नष्ट कर रही है। उन्होंने दावा किया कि लोकतांत्रिक व्यवस्था पर कब्जा करना एक ऐसा मामला है जिसने हमें दुनिया भर में बदनाम किया है, जिसका श्रेय भाजपा को ही जाता है। कांग्रेस नेता ने कहा, स्पष्ट बोलने के लिए राहुल जी पर हमला करने की यह भाजपा के तंत्र की एक पुरानी, घिसी-पिटी और गुमराह करने वाली रणनीति है। उनके लिए यही बेहतर होगा कि वे राहुल गांधी के बयानों पर बारीकी से ध्यान दें और उन गंभीर खामियों को सुधारने के लिए कार्रवाई करें जिन्हें वह 2014 से उजागर कर रहे हैं।

मंत्र भारत

पूर्वांचल

लखनऊ-रविवार ,05 अक्टूबर 2025

लखनऊ जं. स्टेशन पर बोतल क्रशर मशीन का उपयोग करते यात्री

गोरखपुर, भारतीय रेल पर 01 से 15 अक्टूबर, 2025 तक मनाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा-2025 के चौथें दिन 04 अक्टूबर, 2025 को मुख्यालय गोरखपुर, लखनऊ वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों एवं रेलवे कालोनियों में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान स्टेशन परिसर, कार्यालयों, प्रतीक्षालयों तथा प्लेटफार्मों की विशेष साफ-सफाई की गई। यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। स्वच्छता पखवाड़ा-2025 के अन्तर्गत लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर सफाई से सम्बन्धित उपकरणों की उपलब्धता एवं कार्यशीलता सुनिश्चित की गई। यात्रियों एवं कर्मचारियों को सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभाव तथा इसके उपयोग से होने बीमारियों के प्रति जागरूक किया गया। स्टेशन पर उपलब्ध डस्टबिन की सफाई की गई और सूखे एवं गीले कचरे के पृथक्कीकरण हेतु अलग-अलग कलर के डस्टबिन का प्रावधान किया गया। प्रमुख स्टेशनों पर लगे बोतल क्रशर मशीन कार्यरत है या नही इसकी जाँच की गई एवं यात्रियों को इसका उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया। स्टेशनों पर प्रतीक्षालय, प्रसाधन, प्लेटफार्मों, वाटर बूथ एवं डेज्न की सफाई की गई। वाराणसी मंडल के आजमगढ़, वाराणसी सिटी, बनारस, भटनी, बेलथरा रोड, बलिया, छपरा, देवरिया सदर, गाजीपुर सिटी, मऊ, प्रयागराज रामबाग एवं सीवान स्टेशनों को प्लास्टिक मुक्त स्टेशन बनाने हेतु यात्रियों एवं कर्मचारियों को जागरूक किया गया। अनुबंधकर्मियों एवं रेलकर्मियों द्वारा सामूहिक रूप से स्वच्छता अभियान चलाकर नालियों एवं प्रसाधनों की सफाई की गई। इस अभियान में लगभग 200 स्वच्छताकर्मियों ने श्रमदान किया। स्टेशनों पर स्वच्छ रेल, स्वच्छ भारत के पोस्टर, बैनर तथा स्वच्छता स्लोगन के साथ जागरूकता रैली निकालकर प्रतीक्षालयों, कार्यालयों तथा चिन्हित स्थानों की सफाई की गई। इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों के साथ वाजपुर, पंतनगर, किच्छा, गुलरभोज, रावतपुर, कल्यानपुर, फतेहगढ़, कन्नौज आदि सभी छोटे स्टेशनों पर सफाई की गई एवं सफाई से सम्बन्धित उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई तथा मशीनों की जाँच गई। यात्रियों एवं कर्मचारियों को यात्री सुविधाओं के रख-रखाव के बारे जागरूक किया गया। स्टेशनों पर उपलब्ध सूखे एवं गीले कचरे के पृथक्कीकरण हेतु अलग-अलग कलर के डस्टबिन का प्रावधान किया गया तथा यात्रियों को कूड़ा-कचरा डस्टबिन में डालने हेतु प्रेरित किया गया। प्रमुख स्टेशनों पर लगे बोतल क्रशर मशीनों की जाँच की गई एवं यात्रियों को इसका उपयोग तथा सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक किया गया।

एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की मांग पर 05033/05034 बढ़नी-बान्द्रा टर्मिनस-बढ़नी साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन बढ़नी से 09 अक्टूबर से 27 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक वृहस्पतिवार को तथा बान्द्रा टर्मिनस से 11 अक्टूबर से 29 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को 08 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05033 बढ़नी-बान्द्रा टर्मिनस बढ़नी-बान्द्रा टर्मिनस साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 09 अक्टूबर से 27 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक वृहस्पतिवार को बढ़नी से 21.30 बजे प्रस्थान कर बलरामपुर से 22.45 बजे, गोंडा से 23.48 बजे, दूसरे दिन बादशाहनगर से 02.13 बजे, ऐशबाग से 03.05 बजे, कानपुर सेंट्रल से 05.25 बजे, इटावा से 07.35 बजे, टूण्डला से 09.24 बजे, ईदगाह आगरा से 10.16 बजे, बयाना से 12.42 बजे, कोटा से 15.40 बजे, रतलाम से 19.30 बजे, तीसरे दिन बडोदरा से 00.10 बजे, सूरत से 02.32 बजे, बलसाड से 03.27 बजे, वापी से 03.48 बजे, बोरीवली से 05.24 छूटकर बांद्रा टर्मिनस 06.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 05034 बान्द्रा टर्मिनस-बढ़नी साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 11 अक्टूबर से 29 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को बान्द्रा टर्मिनस से 09.30 बजे प्रस्थान कर बोरीवली से 10.07 बजे, वापी से 12.22 बजे, वलसाड से 12.54 बजे, सूरत से 14.05 बजे, वडोदरा से 15.55 बजे, रतलाम से 20.25 बजे, दूसरे दिन कोटा से 01.10 बजे, बयाना से 04.50 बजे, ईदगाह आगरा से 07.04 बजे, टूण्डला से 09.07 बजे, इटावा से 10.40 बजे, कानपुर सेंट्रल से 14.05 बजे, ऐशबाग से 15.55 बजे, बादशाहनगर से 16.27 बजे, गोंडा से 19.50 बजे तथा बलरामपुर 20.50 छूटकर बढ़नी 22.15 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में, साधारण द्वितीय श्रेणी के 09, शयनयान श्रेणी के 09 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

2025 तक प्रत्येक मंगलवार को 06 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की मांग पर 05543/05544 मुजफ्फरपुर-श्री सिद्धारूढ़ा स्वामीजी हुब्बल्लि जं.-मुजफ्फरपुर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन मुजफ्फरपुर से 10 अक्टूबर से 14 नवम्बर,2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को तथा श्री सिद्धारूढ़ा स्वामीजी हुब्बल्लि जं. से 14 अक्टूबर से 18 नवम्बर,2025 तक प्रत्येक मंगलवार को 06 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05543 मुजफ्फरपुर-श्री सिद्धारूढ़ा स्वामीजी हुब्बल्लि जं. साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 10 अक्टूबर से 14 नवम्बर,2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को मुजफ्फरपुर से 12.45 बजे प्रस्थान कर मोतीपुर से 13.26 बजे, चकिया से 13.50 बजे, बापूधाम मोतिहारी से 14.20 बजे, सगौली से 14.45 बजे, बेतिया से 15.10 बजे, नरकटियागंज से 16.15 बजे, बगहा से 17.10 बजे, कप्तानगंज से 19.04 बजे, गोरखपुर से 20.45 बजे, गोंडा से 23.10 बजे, दूसरे दिन ऐशबाग से 02.55 बजे, कानपुर सेंट्रल से 05.55 बजे, उरई से 07.52 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. झांसी से 11.15 बजे, बीना से 15.10 बजे, भोपाल से 17.15 बजे, इटारसी से 19.30 बजे, अमला से 22.17 बजे, तीसरे दिन नागपुर से 01.20 बजे, चंद्रपुर से 05.17 बजे, बल्हारशाह से 06.15 बजे, रामगुंडम से 09.20 बजे, काजीपेट से 11.30 बजे, काचीगुडा से 14.40 बजे, महबूबनगर से 16.35 बजे, डोन जं. से 21.15 बजे, चौथे दिन धर्मवरम से 01.10 बजे तथा यलहंका से 03.50 बजे छूटकर श्री सिद्धारूढ़ा स्वामीजी हुब्बल्लि जं. 12.20 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 05544 श्री सिद्धारूढ़ा स्वामीजी हुब्बल्लि जं.-मुजफ्फरपुर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 14 अक्टूबर से 18 नवम्बर,2025 तक प्रत्येक मंगलवार को श्री सिद्धारूढ़ा स्वामीजी हुब्बल्लि जं. से 09.00 बजे प्रस्थान कर यलहंका से 17.15 बजे, धर्मवरम से 20.50 बजे, डोन जं. से 23.55 बजे, दूसरे दिन महबूबनगर से 03.55 बजे, काचीगुडा से 06.05 बजे, काजीपेट से 09.15 बजे, रामगुंडम से 11.20 बजे, बल्हारशाह से 14.40 बजे, चंद्रपुर से 15.00 बजे, नागपुर से 17.45 बजे, अमला से 20.20 बजे, तीसरे दिन इटारसी से 01.20 बजे, भोपाल से 03.25 बजे, बीना से 05.25 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से 08.20 बजे, उरई से 09.50 बजे, कानपुर सेंट्रल से 13.35 बजे, ऐशबाग से 16.15 बजे, गोंडा से 19.15 बजे, गोरखपुर से 22.25 बजे, कप्तानगंज से 23.27 बजे, चौथे दिन बगहा से 01.07 बजे, नरकटियागंज से 02.00 बजे, बेतिया से 02.42 बजे, सगौली से 03.04 बजे, बापूधाम मोतिहारी से 03.30 बजे, चकिया से 03.57 बजे तथा मोतीपुर से 04.25 बजे छूटकर मुजफ्फरपुर से 05.00 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में एस.एल.आर.डी. के 02, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 12, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02 तथा वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

अधिवक्ताओं ने उपजिलाधिकारी को सौंपा चार सूत्रीय ज्ञापन

गुन्नौर। शनिवार को गुन्नौर बार वेलफेयर एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने उपजिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश बर्मा को जिलाधिकारी के नाम 4 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में अधिवक्ताओं ने शासन ।देशानुसार वर्तमान रियल खतौनी में प्रत्येक खाते के खातेदारों के अंशो का निर्धारण करते समय अधिकतम खातों पर अंश गलत दर्ज किये गये है। जिस कारण खातेदारों की अत्याधिक असुविधा का सामना करना पड रहा है जिस कारण विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इसलिये सही एवं शुद्ध स्थिति उत्पन्न हो रही है। इसलिये सही एंव शुद्ध अंशो का निर्धारण किया जाना आवश्यक है। प्रत्येक खातों का अंश सही कराया जाये।धारा 24 उ० प्र० रा० संहिता 2006 का वाद के न्यायालय में वाद दर्ज करने के उपरान्त पत्रावली क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक के पास कच्चे ठिये सीमांकन के लिये जाती है। जिसे क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक समय सीमा के अन्दर के न्यायालय में दाखिल नहीं करते। समय अवधि में पत्रावली न्यायालय में जमा करायी जावे। बंधक वाली नामान्तण पत्रावलियों में विक्रेता से शपथ पत्र लेकर अगर उसके पास शेष भूमि रह जाती है। तो ऐसी नामान्तरण पत्रावली की दाखिल खारिज करायी जाये। अधिवक्ताओं पर दर्ज किये जा रहे फर्जी मुकदमों को रोका जाये तथा दर्ज मुकदमों की निस्पक्षता के साथ जांच कराकर खत्म किया जाये। जिससे अधिवक्ता समाज में रोष व्याप्त है। उपरोक्त बिन्दुओं को आवश्यक के लिये कार्यवाही की निर्देशित करें। अन्यथा वार वैलफेयर गुन्नौर आन्दोलन के लिये वाध्य होगी जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

एमजीएम पीजी कॉलेज में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

सम्भल। शनिवार को मिशन शक्ति अभियान फेज़ 5 के अंतर्गत एम.जी.एम.(पी.जी.)कॉलेज, सम्भल में एक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसका विषय महिला सशक्तिकरण रहाद्य इसमें प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. योगेंद्र सिंह जी ने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे इस तरह की प्रतियोगिताओं में भाग लें ताकि आपका मनोबल बढे और आप आगे भी इस तरह की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार रहें। उन्होंने छात्राओं से सजग रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि वे मिशन शक्ति का उद्देश्य समझे।उनके सशक्तिकरण के लिए ही इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं द्यकार्यक्रम की संयोजिका डॉ. प्रीति सिंह ने छात्र– छात्राओं के बनाए गए पोस्टर चेक किए और निर्णय किया कि प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पर कौन से छात्र छात्राएं रहेंगे। प्रतियोगिता में 19 छात्राओं व 01 छात्र ने प्रतिभाग किया। प्रथम स्थान पर फ़ारेहा अंजार, द्वितीय स्थान पर यश भारती तृतीय स्थान पर तपस्या व सांत्वना पुरस्कार पर आतिया ज़हरा रहीं। इसमें प्रो. डॉ. निरंकार सिंह व अन्य कॉलेज के शिक्षक उपस्थित रहे। आभार मिशन शक्ति की कार्यक्रम प्रभारी डॉ रीतू भटनागर ने किया।

शादी में डीजे बजाया तो काज़ी नहीं पढ़ाएंगे निकाह

सम्भल। शादी में डीजे बजाने पर मस्जिद कमेटी ने किया ऐलान नहीं पढ़ाएंगे मौलाना निकाह और मस्जिद कमेटी को दिया जाएगा 50000 का जुर्माना। थाना हजरत नगर गढ़ी क्षेत्र गांव धिमर खेड़ी में मस्जिद कमेटी के सदस्य व हाफिज इदरीस ने इस्लाम के नियम अनुसार शादी में डीजे ढोल ताशे बजने वाले लोगों को समझ कर कहा कि आपने अगर शादी में डीजे ढोल ताशे बजाए तो पूरी मस्जिद कमेटी के लोग उस व्यक्ति के यहां पर खाना खाने नहीं जाएंगे और मैं भी उस व्यक्ति का निकाह नहीं पढ़ाऊंगा । और कहा कि अगर जो शादी में डीजे ढोल ताशे का कोई प्रोग्राम तो मैं हाफिज इदरीश उस की शादी में निकाह नहीं पढ़ाऊंगा और जो हाफिज भी उस शादी का निकाह पढ़ने आएगा तो उस्से इस्लाम के कानून के हिसाब से पूछा जाएगा कि क्या शादी मे डीजे ठोल ताशे बजना जायज है । तो आप निकाह पड़ा सकते हैं । इस्लामी कानून के हिसाब से लिखा दिखाएं कोई भी शादी मे बारात आती है । तो यहां पर डीजे ढोल ताशे का कोई भी प्रोग्राम नहीं किया जाएगा अगर किया जाता है तो गांव के मस्जिद कमेटी के लोग वहां पर खाना खाने नहीं जाएंगे और नही मस्जिद के इमाम हाफिज इदरीस खाना खाने जाएंगे इस बात को लगभग 6 महीने से लोगों तक पहुंचा जा रहा था और गांव के लोगों ने इस पर अमल भी किया है । अब आगे को देखना बाकी है । कि क्या जनता इस बात को फॉलो करेगी या नहीं और गांव की मस्जिद की कमेटी ने कहा कि जो व्यक्ति अगर शादी विवाह में ढोल ताशे डीजे बजाएगा तो उस पर मस्जिद कमेटी की तरफ है ।

सड़क हादसे में घायल महिला की उपचार के दौरान मौत

पुलिस ने शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम को भेजा

सम्भल। थाना नखासा क्षेत्र अंतर्गत बैंक से रुपए निकाल कर बाइक से घर लौट रहे पति पत्नी को तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार कर पति पत्नी को घायल कर दिया था। जिसमें पत्नी की हालत गंभीर होने पर तुरंत ही जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन शनिवार की सुबह लगभग 7 बजे उपचार के दौरान घायल महिला की मृत्यु हो गई। मृत्यु होने से परिजनों में हड़कंप मच गया। मृत्यु की सूचना थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस जिला अस्पताल पहुंची और शव का पंचनामा भर कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। कमलेश आयु 45 बर्ष पत्नी कमल सिंह निवासी ग्राम ठिल्लूपुरा थाना नखासा जनपद सम्भल ग्राम खग्गुपुरा बैंक से 24 सितंबर समय लगभग 2.30 बजे खाते से रुपए निकाल कर बाइक से अपने घर जा रहे थे। जैसे ही वह सम्भल हसनपुर रोड बायपास तिराहे पर पहुंचे ही थे।कि इसी बीच पीछे से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें में बाइक पर बैठे पति–पत्नी दोनों घायल हो गए। और घर अवस्था में रोड पर गिर जाए। देखते ही देखते मौके पर काफी भीड़ एकत्र हो गई।इसी बीच तेज रफ्तार बाइक चालक अपनी बाइक लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना पति–पत्नी के परिजनों को दी गई। परिजनों मौके पर पहुंचे और निजी वाहन से दोनों घायलों को सम्भल जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। सड़क हादसे में पति कमलसिंह को हल्की–हल्की गुम चोट आई जबकि पत्नी गम्भीर रूप से घायलघ हों गई थी।जिसका जिला अस्पताल में उपचार चल रहा था। शनिवार की सुबह लगभग 7 बजे कमलेश की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। परिजनों मे कोहराम मच गया। मृत्यु होने की सूचना तुरंत ही थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही थाने से उप निरीक्षक सोमपाल सिंह जिला अस्पताल पहुंचे और शव का पंचनामा भर कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा। मृतक के पति द्वारा थाने पर तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस ने तहरीर प्राप्त होते ही मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। बच्चों के सर से उठा मां का साया। परिजन द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया है कि मृतक के चार बच्चे हैं जिससे की नकुल आयु 26 बर्ष,अमन 24 बर्ष,सुमित 22 बर्ष,खुशबू आयु 15 बर्ष है। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

संक्षिप्त समाचार

पत्नी ने पति का ब्लेड से काटा प्राइवेट पार्ट गम्भीर हालत में अलीगढ़ को रेफर

गुन्नौर। मामूली अनबन के बाद पत्नी ने रात के समय पति का ब्लेड से प्राइवेट पार्ट काट दिया गंभीर हालत में पहले स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया हालत गंभीर होने पर अलीगढ़ को रेफर कर दिया गया। गुन्नौर के दौलतपुर गांव निवासी राजू की शादी पांच ममाह पूर्व जनपद बदायूं के सहसवान निवासी युवती के साथ हुई थी। बीती रात दोनों में किसी बात को लेकर कहा सुनी होने लगी बाद में पति भी सो गया रात किसी समय पत्नी ने ब्लेड से सोते समय राजू का प्राइवेट पार्ट काट दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में पहले राजू को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां से उसकी हालत गंभीर होने के कारण अलीगढ़ को रेफर कर दिया गया।

नगर पालिका परिषद द्वारा गृहकर वृद्धि के खिलाफ मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

सम्भल। समाज हित संरक्षण समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने नगर पालिका द्वारा गृह कर वृद्धि के खिलाफ मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन अधिशासी अधिकारी को दिया। शनिवार को समाज हित संरक्षण समिति के बैनर तले एक ज्ञापन प्रदेश के मुख्यमंत्री को अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद को दिया गया जिसमें कहा गया है कि नगर पालिका के अंतर्गत मकानों दुकानों का गृह कर पांच गुना से भी अधिक बढ़ाया गया है जो न्याय संगत नहीं है आगे कहा गया है कि उक्त बढ़ोत्तरी मकान दुकान स्वामियों के हित में नहीं है। गृह कर में इतनी अधिक बढ़ोतरी जनता के हित में नहीं है ना ही यह न्याय संगत है। मांग करते हुए कहा गया कि गृह कर में बढ़ोतरी वापस ली जाए तथा वैधानिक एवं न्याय संगत मामूली बढ़ोतरी की जाए जिससे जनता को राहत मिल सके ज्ञापन देने वालों में महंत भगवान दास शर्मा संजीव सहारा राजेंद्र सिंह प्रेमपाल शर्मा चंद्रप्रकाश एडवोकेट प्रमोद सैनी महिपाल सिंह सभासद फुरकान आदि उपस्थित रहे।

पुलिस ने टूटे हुए पांच परिवारों को सुलह समझौते से फिर से मिलाया

बहजोई/सम्भल। शनिवार को पुलिस अधीक्षक के के बिश्नोई की देखरेख में चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की एक मीटिंग सेल प्रभारी डाक्टर रकम पाल सिंह व उपनिरीक्षक महेश गंगवार की देखरेख में पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में संपन्न हुई जिसमें पति–पत्नी के मध्य हुए आपसी विवादों को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास काउंसलरो द्वारा किया गया जहां कुल 121 पत्रावली सुनकर 10 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया तो वहीं 5 परिवारों को मिलाया गया तथा 5 पत्रावली न्यायालय में विचाराधीन होने अथवा आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद करने की संतुति की गई इस अवसर पर काउंसलर अखिलेश अग्रवाल विधिक परामर्शदाता काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय एडवोकेट पूनम अरोरा श्वेता गुप्ता बबीता शर्मा सीमा आर्य कांस्टेबल शहजाद मलिक रश्मि गहलोत ज्योति आदि लोग उपस्थित रहे।

रेलवे स्टेशन पर कार्य पुनः प्रारंभ कराने के लिए सौंपा ज्ञापन विकास कार्य रोकने का आरोप

चन्दौसी सम्भल। अमृत योजना के तहत रेलवे स्टेशन पर चल रहे विकास कार्य एक साल बीतने के बाद भी अधर में लटका हुआ हैं। एक साल में प्रस्तावित कोई भी काम पूरा नहीं हो पाया है। कार्यदायी संस्था के पास पर्याप्त मजदूर न होने की वजह से समस्या बनी हुई है। जिम्मेदार भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। अखिल भारतीय युवा उद्योग व्यापार मंडल में नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू के अगुवाई में स्टेशन अधीक्षक के माध्यम से मंडल प्रबंधक को एक ज्ञापन सौंपा। नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने बताया कि चंदौसी रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत योजना के तहत कायाकल्प हो रहा है। जिसमें संयुक्त प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने के लिए लॉज, फुट ओवरब्रिज, स्टेशन के फ्रंट का विकास व सौंदर्यीकरण, लिफ्ट व स्वचालित सीढ़ी, प्लेटफॉर्म का उच्चीकरण आदि शामिल है। करीब 18 करोड़ रुपये इस पूरे काम में खर्च होंगे। कार्यदायी संस्था ने नवंबर में स्टेशन का कायाकल्प शुरू किया। करीब एक साल हो चुका है, लेकिन कोई भी प्रस्तावित काम पूरा नहीं हो पाया है। मात्र स्टेशन पर ३० प्रतिसत ही कार्य पूरा हो पाया है। प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाना, स्वचालित सीढ़ियां, वेटिंग रूम, स्टेशन के फ्रंट और परिसर के सौंदर्यीकरण का काम अधर में लटका है। शुरुआत से ही कार्य को गति नहीं मिली। सालभर में कई बार काम बंद हुआ। कभी मजदूर तो कभी निर्माण सामग्री कार्य में बाधा बनी है। डीआरएम महोदय ने भी कई बार अपने निरीक्षण में जल्द कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं। ठेकेदार को फटकार भी लगाई, लेकिन काम की स्थिति ऐसी बनी रही। ऐसे में कायाकल्प के लिए की गई टूट फूट से यहां, एक ओर यात्रियों को परेशानी होती है। वहीं स्टेशन पर कार्यरत कर्मचारी और अधिकारी भी परेशान है।

कोलंबो में भारतीय महिला टीम के अभ्यास के दौरान मैदान पर घुसा सांप, पाकिस्तान से होना है मैच

कोलंबो (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच की तैयारियों में जुटी है। भारत और पाकिस्तान की महिला टीमों का वनडे विश्व कप के ग्रुप चरण में सामना कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में होना है। इससे पहले ही एक अजीब वाक्या देखने को मिला जो सुरक्षा के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है। भारतीय महिला टीम जब शुक्रवार को अभ्यास कर रही थी, तभी स्टेडियम में एक सांप रेंगता हुआ दिखा। कोलंबो में मैदान पर सांप दिखना अनोखी बात नहीं आर प्रेमदासा स्टेडियम में सांप या गरंडिया (सिंहली भाषा में) दिखना कोई अनोखी बात नहीं है। लंका प्रीमियर लीग के मैचों के दौरान भी सांप स्टेडियम में घुस गया था और इस साल जुलाई में श्रीलंका-बांग्लादेश वनडे के दौरान भी दिखाई दिया था। शुक्रवार को भूरे रंग का यह सांप नालियों और स्टैंड के करीब रेंगता हुआ देखा गया

मुख्यमंत्री से दिवाली से पहले बोनस देने की मांग

लखनऊ (संवाददाता)। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने आज लखनऊ में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आधिकारिक ईमेल हैंडल पर एक पत्र प्रेषित करते हुए प्रदेश के कर्मचारी एवं पेंशन भोगियों को 1 जुलाई 2025 से बढ़ी हुई तीन प्रतिशत के दर से महंगाई भत्ते की किस्त एवं महंगाई राहत का भुगतान कराए जाने की मांग किया है। संयुक्त परिषद की महामंत्री एवं मीडिया प्रभारी अरुणा शुक्ला ने एक प्रेस विज्ञप्ति में अवगत कराया है कि संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने मुख्यमंत्री जी के एक्स हैंडल पर भी प्रदेश के कर्मचारियों को महंगाई भत्ता एवं बोनस देने की मांग किया है। प्रदेश के 12 लाख कर्मचारियों एवं 16 लाख पेंशनर्स को दिवाली से पहले बढ़ी हुई महंगाई की किस्त एवं बोनस के भुगतान का इंतजार है। केंद्र सरकार ने पहले ही आदेश करके अपने 49 लाख केंद्रीय कर्मचारियों एवं 69 लाख पेंशनर्स के लिए 1 जुलाई 2025 से 3ः के दर से महंगाई भत्ता बढ़ाने का आदेश जारी कर दिया है। केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 55ः से बढ़ कर 58ः हो गया है। केंद्रीय कर्मचारियों को जुलाई, अगस्त एवं सितंबर के बढ़े हुए महंगाई भत्ते का भुगतान भी अक्टूबर माह के वेतन के साथ ही किया जाएगा। जे एन तिवारी ने अवगत कराया है कि वैसे तो प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्र सरकार द्वारा महंगाई भत्ते का आदेश हो जाने के तुरंत बाद प्रदेश के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता के भुगतान का आदेश करते आ रहे हैं। लेकिन इस बार राजस्थान ने बाजी मारी है और सबसे पहले राजस्थान सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए बढ़े हुए महंगाई भत्ते का भुगतान करने का ऐलान कर दिया है। जे एन तिवारी ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश में 12 लाख कर्मचारी एवं 16 लाख पेंशनर्स है। कर्मचारियों को न्यूनतम स्तर पर 540 रुपए प्रतिमाह, वेतन बैंड 2 के न्यूनतम स्तर पर 1062 रुपए प्रतिमाह एवं वेतन बैंड 3 के न्यूनतम स्तर पर 1683 रुपए प्रतिमाह की बढ़ोतरी महंगाई भत्ते की किस्त से होगी। यह प्रदेश के कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत होगी। जे एन तिवारी ने दिवाली पर्व से पूर्व कर्मचारियों को बोनस भुगतान किए जाने की मांग भी किया है। उन्होंने यह भी कहा है कि बोनस की न्यूनतम सीमा भी बढ़ाई जानी चाहिए। संयुक्त परिषद की महामंत्री एवं मीडिया प्रभारी अरुणा शुक्ला ने प्रदेश के संविदा कर्मचारियों को भी बोनस देने का मुद्दा उठाया है। संयुक्त परिषद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नारायण जी दुबे, उपाध्यक्ष त्रिलोकी नाथ चौरसिया, ओमप्रकाश पांडे, सर्वेश कुमार श्रीवास्तव, हरिवंश मणि, कार्यवाहक अध्यक्ष निरंजन कुमार श्रीवास्तव, राजेश कुमार श्रीवास्तव, वीरेंद्र वीर यादव, हेमंत पाठक, प्रीति पांडे, आशा हेल्थ वर्कर्स संघ की अध्यक्ष कुसुम लता यादव, कोषाध्यक्ष नितिन गोस्वामी, महानगरीय सेवा संविदा कर्मचारी परिषद के महामंत्री, गोविंद कुमार, शिवाकांत द्विवेदी, रोडवेज कर्मचारी कल्याण संघ के अध्यक्ष डी के त्रिपाठी, रोडवेज इम्प्लाइज यूनियन के अध्यक्ष वी डी मिश्रा, सेंट्रल रीजनल वर्कशॉप कर्मचारी संघ के महामंत्री जसवंत सिंह एवं परिषद से संबद्ध संगठनों के पदाधिकारियों से ऑनलाइन वार्ता भी हुई है।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर यूपी में रहेगा सार्वजनिक अवकाश, योगी सरकार का ऐलान

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने महर्षि वाल्मीकि जयंती के दिन 7 अक्टूबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। इस दिन सभी स्कूल, कॉलेज और सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे। आज सरकार

ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। आदेश में कहा गया है कि 7 अक्टूबर (मंगलवार) को महर्षि वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। राज्यभर में सभी सरकारी और निजी स्कूल, कॉलेज, बैंक और सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे। उल्लेखनीय है कि भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज के लोगों ने महर्षि वाल्मीकि जयंती पर सरकार से सार्वजनिक अवकाश की मांग कर रहे थे। उन्होंने सार्वजनिक अवकाश की मांग करते हुए कई बार शासन को ज्ञापन दिए थे। वाल्मीकि समाज ने कहा कि पहले इस दिन सार्वजनिक अवकाश होता था, लेकिन बाद में इसे रद्द कर दिया गया।

अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति स्थापना दिवस पर महिलाओं का सम्मान

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में शनिवार को उद्यान भवन में अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति का 13 वां स्थापना दिवस का आयोजन हुआ। इस दौरान प्रदेश भर से संगठन की पदाधिकारी, सदस्य व महिलाएं शामिल हुईं। कार्यक्रम में अकबर नगर की विस्थापित महिलाएं और एयरपोर्ट के पास रहीमाबाद की रहने वाली किसान महिलाओं को जमीन संघर्ष के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नेहा दीक्षित और मुख्य वक्ता के रूप में सुभाषिनी अली शामिल हुईं। कार्यक्रम की शुरूआत प्रस्तावना पढ़कर हुई। जिसके बाद दिल्ली विश्वविद्यालय इतिहास विभाग की छात्रा युसरा ने फैज अहमद फैज का गीत पढ़ा। एडवा की अध्यक्ष मधु गर्ग ने बताया कि बुशरा और सुमन को अकबरनगर में संघर्ष के लिए सम्मानित किया गया। मधु गर्ग नव कहा अकबरनगर से विस्थापित होने के बाद बसंत कुंज में भी बुशरा ने अपना संघर्ष जारी रखा। जिन बच्चियों को अकबर नगर में पढ़ातीं थीं। अब उन्हें बसंतकुंज में शिक्षा दे रही हैं। एयरपोर्ट के पास रहीमाबाद में रहने वाली महिला सीमा यादव और सुषमा को जमीन बचाने के लिए किए गए संघर्ष के लिए सम्मानित किया गया। सुभाषिनी अली ने कहा यहां पर बैठी महिलाएं आधी आबादी का नेतृत्व कर रही हैं। महिलाओं से ही यह समाज है। जिन महिलाओं को कभी कमजोर और बेचारी के रूप में देखा जाता था। आज वहीं महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में सफलता और बुलंदी का परचम लहरा रही हैं। उन्होंने कहा महिलाएं अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ रही हैं। हमारा संगठन महिलाओं को अत्यधिक सशक्त और मजबूत बनाने के लिए लगातार काम कर रहा है।

शेख अब्दुल कादिर जीलानी की बुजुर्गी को पूरी दुनिया मानती है : खालिद रशीद

लखनऊ (संवाददाता)। सूफियाऐ क्राम और बुजुरगाने दीन खास कर गौस आजम शेख अब्दुल कादिर जीलानी रह॰ की शिक्षा को फैलाने के लिए समर्पित शेख अब्दुल कादिर जीलानी फाउण्डेशन शिव नगर, रूप पुर, खदरा के अर्न्तगत यौमे गौसे आजम मनाया गया। इस अवसर पर उलामा व मशाएख के प्रसिद्ध परिवार फरंगी महल के विख्यात आलिम मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली इमाम ईदगाह लखनऊ ने हज़रत गौसे पाक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि महबूब-ए-सुबहानी हजरत शेख अब्दुल कादिर जीलानी रह॰ जैसे सूफी और आलिम की महानता को सारी दुनिया मानती है। खुदा ने अपने इस चहीते बन्दे को बहुत

अधिक विशेषतायें दे रखी थी। आप जन्म से वली (बुजुर्ग) थे। आप उच्च मानव व्यवहार का सम्पूर्ण उदाहरण थे। मौलाना ने कहा कि शेख अब्दुल कादिर जीलानी ने जो मानवता की शिक्षा दी उसी शिक्षा पर चल करके अल्लाह की प्रसन्नता प्राप्त हो सकती है और अल्लाह के गुस्से से बचा जा सकता है। मौलाना ने कहा कि हजरत गौसे पाक ने बहुत सी किताबें लिखीं हैं। जिन में से गुनिययतुत तालिबीन, फुतूहुल गैब और अलफतहुर्रब्बानी बहुत प्रसिद्ध हुईं। सारी किताबें उन के ज्ञान और दीन में आप की गहरी समझ की साक्षी हैं। आप इबादत इतनी करते थे कि चालीस वर्ष आप ने इशा (रात की नमाज) के वुजू से फजर (सुबह की नमाज) की नमाज पढ़ी। पंद्रह साल तक गौसे आजम का यह मामूल रहा कि इशा के बाद पूरा कुरान शरीफ खत्म फरमाते। पच्चीस वर्ष रेगिस्तान में इस तरह गुजारे की इन्सान कि शक्ल तक न देखी।मौलाना फरंगी महली ने कहा कि हजरत गौसे आजम को इस तरह श्रद्धांजलि पेश की जा सकती है कि हम सब उन के बताये हुए मार्ग पर चलें। जिस तरह महबूबे सुबहानी ने अपनी मुबारक जिंदगी की हर घड़ी रसूल स॰ की सुन्नतों और इस्लामी शरीअत के प्रचार एवं प्रसार के लिए समर्पित कर दी थी हम भी अपनी जिन्दगियों को रसूल स॰ की सुन्नतों और इस्लामी शरीअत के अनुसार ढालें।जलसे में फाउण्डेशन के अध्यक्ष हाजी खालिद जीलानी ने हाजिरीन का स्वागत किया फाउण्डेशन के महासचिव माजिद जीलानी ने हाजिरीन का शुक्रिया अदा किया। मौलाना खालिद रशीद की दुआ पर जलसे का समापन हुआ।

समाधान दिवस में पहुंचे डीएम और मंडलायुक्त, शिकायतकर्ता से फोन पर लें फीडबैक

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के तहत जिलाधिकारी विशाख जी. और मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने अलग-अलग तहसीलों में जनसुनवाई की। जिलाधिकारी जहां मोहनलालगंज तहसील पहुंचे, वहीं मंडलायुक्त ने सदर तहसील में आम जनों की समस्याएं सुनीं। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने साफ निर्देश दिया कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण हो और विभागीय अधिकारी पुराने प्रकरणों की सत्यापन कॉल के जरिए पुष्टि करें। जिलाधिकारी विशाख जी. सुबह मोहनलालगंज तहसील पहुंचे और सम्पूर्ण समाधान दिवस में लोगों की शिकायतें सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि पिछले तहसील दिवस में आए प्रकरणों का निस्तारण न सिर्फ शीघ्र करें बल्कि शिकायतकर्ताओं से फोन पर संपर्क कर फीडबैक भी लें। डीएम ने कहा कि ह्लजनता की संतुष्टि सर्वोपरि है, कोई भी शिकायत अधूरी नहीं छोड़ी जानी चाहिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को सख्त लहजे में कहा कि समाधान दिवस में केवल औपचारिकता न निभाई जाए। प्रत्येक विभाग को यह सुनिश्चित करना होगा कि पिछली सुनवाई में निपटाए गए प्रकरणों का सत्यापन किया जाए और शिकायतकर्ता से यह जानकारी ली जाए कि समस्या वास्तव में सुलझी या नहीं। वहीं, मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत सदर तहसील पहुंचे और लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने राजस्व, पुलिस और विकास विभाग के अधिकारियों को बुलाकर मौके पर ही कई मामलों का निस्तारण कराया। मंडलायुक्त ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस का उद्देश्य सिर्फ सुनवाई नहीं बल्कि गुणवत्तापूर्ण समाधान देना है। जनसुनवाई के दौरान मंडलायुक्त ने कुछ शिकायतकताओं को स्वयं कॉल कर निस्तारण की स्थिति जानी। एक मामले में संतोषजनक जवाब न मिलने पर उन्होंने संबंधित लेखपाल और तहसीलदार को फटकार लगाई और चेतावनी दी कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा, ह्ललोग उम्मीद के साथ आते हैं, इसलिए समाधान भी उन्हें उसी गंभीरता से मिलना चाहिए।

सहारा के कर्मचारियों ने गायों को छुट्टा छोड़ा, बिजली-पानी न आने से चारा खत्म हुआ

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सहारा शहर में तीसरे दिन कर्मचारियों का धरना प्रदर्शन जारी है। लगातार तीसरे दिन परिसर का बिजली-पानी बंद है। इसके चलते मवेशियों का चारा खत्म हो गया है। मवेशी भी अब बेसहारा होकर सहारा शहर की सड़क सहित अन्य जगहों पर घूम रहे हैं। कर्मचारियों का

कहना है कि मैनेजमेंट ने शुक्रवार को एसीपी कार्यालय में बुलाने की कोशिश की थी, लेकिन यहां पर हम लोग की यह बात हुई थी कि हम वहां पर नहीं जाएंगे। प्रबंधन के लोग बातचीत करने के लिए परिसर में आएं। इस दौरान सहारा शहर के लोगों से बातचीत करने को तैयार हुए हैं। इसने चार से पांच लोगों के प्रतिनिधि बात करेंगे। राजेंद्र प्रसाद कनौजिया ने कहा कि सैलरी नहीं मिल रही है। फेमिली में बहुत दिक्कत है। 2014 से सहारा इंडिया ने पीएफ नहीं जमा किया। हमारे परिवार को और संस्था के लोगों को बहुत परेशानी हो रही है। इसका समाधान होना चाहिए। हम लोग लड़ाई झगड़ा नहीं करना चाहते। हमारा बकाया दिया जाए, हिसाब किया जाए। 1995 से नौकरी कर रहा हूं, 2014 तक स्थिति ठीक थी। इसके बाद सब कुछ खराब हो गया। साल भर में तीन बार सैलरी मिल रही है। 30 से अधिक सालों तक नौकरी किया है। अब हम लोग कहां जाएंगे क्या करेंगे कोई सुनने वाला नहीं है। वहीं, संतोष कुमार ने बताया कि हमारा बकाया वेतन दिया जाए पीएफ सहित अन्य चीज भी दी जाए मुख्यमंत्री तक हम लोगों की मांग पहुंचाई जाए। आनंद प्रताप लोधी ने कहा कि 1 अप्रैल 2011 से रेस्टोरेंट में काम कर रहा हूं। 2012 से वेतन भुगतान नियमित नहीं मिल रहा है। पीएफ और अन्य मद का पैसा भी नहीं मिल रहा है। हम लोगों की केवल एक मांग है, हम लोगों का पेमेंट दे दिया जाए। हमको कोई इंटरेस्ट नहीं चाहिए। हमारा हिसाब संस्था की तरफ से कर दिया जाए। बच्चों की पढ़ाई छूट गई है, लड़की की शादी नहीं हो पा रही है, मां बीमार है उनका पूरी तरीके से इलाज नहीं कर पा रहे हैं। तनख्वाह चार से पांच बार ही एक साल में मिल रही है। हमारा यही कहना है कि शांतिपूर्वक हम लोगों का हिसाब कर दिया जाए। हम लोगों को कोई शिकायत मैनेजमेंट से नहीं है।

डीएम सर, प्रिंसिपल मैडम हमें गालियां देती हैं, मोहनलालगंज तहसील में डीएम से शिकायत करने पहुंचीं बच्चियां

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ डीएम के पास कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की कई बच्चियां शिकायत लेकर पहुंच गईं। उन्होंने बताया कि विद्यालय में रात में कई आदमी आते हैं। उधर देखने पर प्रिंसिपल हम बच्चियों को गालियां देती हैं। धमकी देती हैं कि ये बात किसी को बताना नहीं। अगर बताया तो मारकर फेंक देंगे। कोई पता भी नहीं पाएगा। जिलाधिकारी विशाख जी. के सामने बच्चियां मोहनलालगंज तहसील में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस पर शिकायत की। स्कूल की बच्चियों ने डीएम को लिखित शिकायत में बताया कि विद्यालय की प्रिंसिपल और वार्डन उनसे झाड़ू-पोंछा लगवाती हैं। साथ ही बाथरूम साफ करवाती हैं। रात में 5-6 गाड़ियों से विद्यालय में आदमी आते हैं। किसी बच्ची ने अगर उधर देख लिया तो उसकी बेरहमी से पिटाई कर मैडम गाली देती हैं। छात्रों का कहना था कि उन्हें सही से भोजन भी नहीं मिलता है। बच्चियों ने कहा है कि अब वह स्कूल नहीं जाएंगी। बच्चियां नवरात्रि और दशहरे की छुट्टियों पर घर पहुंचीं तो अभिभावकों से पूरी बात बताई। उन्हें अपनी चोटें भी दिखाईं। डीएम को दिए शिकायती पत्र में घअभिभावकों ने सिग्नेचर किए हैं। इसमें बताया है कि बच्चों को यूनिफॉर्म और अन्य जरूरी सामान वे खुद दिलाते हैं। अभिभावकों ने यह भी बताया है कि प्रिंसिपल उनकी बच्चियों को जातिसूचक गालियां देती हैं। कहती हैं कि नीची जाति को हो नीची ही रहोगी। ब्राह्मण, यादव बनने की कोशिश मत करो। अभिभावकों का कहना है कि वे बच्चों को तब तक स्कूल नहीं भेजेंगे जब तक की प्रधानाचार्य और वार्डन निलंबित नहीं किए जाते। नगराम के अचिंत कुमार भी तहसील पहुंचे। उन्होंने जिलाधिकारी से कहा उनकी श्याम प्यारी के साथ साझे की जमीन है। उसने 1000 वर्ग फीट भूमि पर कब्जा कर मकान खड़ा कर लिया है। शेष भूमि पर कब्जा करने की कोशिश में लगी हुई है। अचिंत जब भी अपने खेत के जुताई-बुवाई करने जाता है तो लड़ाई पर उतर आती है। उसने अचिंत के खिलाफ कई झूठे मुकदमे भी लगवा दिए हैं। पुरसैनी के कई किसान एक साथ फैक्ट्री मालिक के खिलाफ शिकायत लेकर पहुंचे। उनकी शिकायत के अनुसार, मनोज जायसवाल की प्लाइवुड की फैक्ट्री है जो कि नियम के खिलाफ नगर निगम सीमा में संचालित की जा रही है। इस प्लाईवुड फैक्ट्री से केमिकल का गंदा पानी 24 घंटे बहता रहता है। यह पानी खेतों में जाता है जिससे खेती नष्ट हो रही है। फैक्ट्री की ओर से जबरन एक चौड़ी नाली खोद दी गई है।

यूपी में जंगलराज, संवैधानिक मूल्यों का पालन नहीं करती राज्य सरकार-इकरा हमको दरोगा चिट्ठी लिखता है: माताप्रसाद

लखनऊ (संवाददाता)। बरेली में पिछले हफ्ते शुक्रवार की नमाज के बाद भड़की हिंसा को लेकर यूपी की सियासत गर्म हो गई है। नेता प्रतिपक्ष विधानसभा माता प्रसाद पांडेय के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के 14 सांसदों और विधायकों का एक प्रतिनिधिमंडल बरेली का दौरा करने वाला था, लेकिन सपा डेलिगेशन को बरेली जाने की अनुमति नहीं दी गयी है। इस पर सपा सांसद इकरा हसन ने भाजपा सरकार पर हमला बोला है।सपा सांसद हरेंद्र सिंह मलिक और इकरा हसन आज शनिवार को बरेली के लिए रवाना हुए। इस दौरान गाजीपुर बॉर्डर पर पुलिस की ओर से रोके जाने पर सपा सांसद इकरा हसन ने कहा, मुझे समझ नहीं आ रहा कि हमें किस कानून के तहत रोका जा रहा है। यूपी में जंगलराज है और राज्य सरकार संवैधानिक मूल्यों का पालन नहीं कर रही है। मैं जनप्रतिनिधि हूँ और लोगों का दर्द बाँटने बरेली जा रही थी, लेकिन हमें रोक दिया गया। हम प्रशासन से अनुरोध करते हैं कि वह हमारे साथ चले। हम कुछ भी छिपाने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। हमारा कोई एजेंडा नहीं, पता नहीं यूपी सरकार अपनी कौन सी करतूत छुपाना चाहती है कि हमें बरेली नहीं जाने दे रही है।उधर लखनऊ में पुलिस की ओर से रोके जाने पर विपक्ष के नेता माता प्रसाद पांडे ने कहा, श्हमें जाने से रोका जा रहा है।यह कोई सांप्रदायिक दंगा नहीं था। उन्होंने खुद कानून-व्यवस्था बिगाड़ दी। वे पक्षपाती हो गए हैं। अगर दो समुदायों में झड़प होती तो मैं मानता कि कोई गंभीर घटना घटी है। जब हमने पुलिस से पूछा, तो उन्होंने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि घटना के बाद बड़े पैमाने पर अन्याय हुआ। एक व्यक्ति पर आरोप लगाया गया है और चार को गिरफ्तार किया जा रहा है। समुदाय डरा हुआ है। वे प्रशासन और पुलिस से डरे हुए हैं। उनका दूसरे समुदाय से कोई झगड़ा नहीं है।माता प्रसाद पाण्डेय को शनिवार को सुबह लखनऊ में उनके निवास अवध विहार कालोनी में हाउस अरेस्ट किया गया है। उनके आवास के बाहर सुरक्षा बल तैनात हो गई। हाउस अरेस्ट से नाराज माता प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि बरेली में बेगुनाह लोगों को जेल भेजने की सूचना है। उन्होंने कहा कि हमको रोकने के लिए डीएम को नोटिस देनी चाहिए थी। हमें वहां पार्टी कार्यकताओं से जानकारी लेनी थी। पुलिस-प्रशासन हमें पता नहीं क्यों रोकते हैं। रोकने का मतलब इनके अवैधानिक काम देखेंगे। हम इनके सारे अवैधानिक काम उजागर करेंगे। उन्होंने कहा कि हमको दरोगा चिट्ठी लिखता है। कलेक्टर लिखता तो मान भी लेते,लेकिन पीजीआई थाने का दरोगा मुझे चिट्ठी लिखता है कि आप नहीं जा सकते। आप अंडर अरेस्ट हैं। इसके बाद बरेली के डीएम की चिट्ठी आई। उन्होंने कहा कि आपके यहां आने से माहौल बिगड़ेगा, आप यहां न आएं।माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि हम लोग माहौल नहीं बिगाड़ते हैं। प्रशासन अपनी कमियों को छिपाने के लिए हम लोगों को नहीं जाने दे रहा है। जो ज्यादती, गैरकानूनी काम, अवैध गिरफ्तारियां की होंगी उनकी हमें जानकारी मिल जाएगी इसलिए हमें रोका गया। माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि वह पार्टी के नेताओं से बात कर आगे की रणनीति तय करेंगे। उन्होंने बताया कि अखिलेश यादव इस वक्त लंदन में हैं।चिट्ठी में क्या लिखा है? इस सवाल पर नेता विरोधी दल ने चिट्ठी को कैमरों के सामने कर दिया। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने हमारे नेतृत्व में बरेली जाने के लिए प्रतिनिधिमंडल बनाया। मकसद बरेली की घटना की वास्तविक जानकारी करना है। मैं यहां नहीं था। शाम को 5 बजे सूचना मिली। रात में 12 बजे जब घर आया तो इसके पहले की जाने की कोई बात हो यहां बड़ी संख्या में पुलिस थी।

संक्षिप्त खबरें

आठ को बरेली होते हुए रामपुर जायेंगे अखिलेश

लखनऊ (संवाददाता)। बरेली में लाठीचार्ज की घटना के बाद समाजवादी पार्टी ने राजनीतिक मोर्चा संभाल लिया है। पार्टी अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव 8 अक्तूबर को बरेली होते हुए रामपुर जाएंगे, जहां वे रास्ते में लाठीचार्ज से प्रभावित मुस्लिम परिवारों से मिलकर उनका हालचाल जानेंगे और घटना की जानकारी लेंगे। रामपुर में उनका पहले से तय कार्यक्रम है, जहां वे समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां से मुलाकात करेंगे। अखिलेश यादव सड़क मार्ग से सीतापुर होते हुए रामपुर जाएंगे और रास्ते में बरेली में कुछ समय के लिए रुकेंगे। वहां वे पार्टी के स्थानीय नेताओं और कार्यकताओं से बातचीत करेंगे। हालिया घटनाओं को लेकर पार्टी की रणनीति पर चर्चा करेंगे।

अखिलेश यादव का बरेली में प्रतिनिधिमंडल भेजना नौटंकी: केशव

लखनऊ (संवाददाता)। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सपा डेलिगेशन को बरेली भेजने के फैसले को नौटंकी बताया है।डिप्टी सीएम केशव प्रसाद ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सपा बहादुर अखिलेश यादव का बरेली में प्रतिनिधिमंडल भेजना नौटंकी और बचकाना कदम है। सपा की पहचान मुस्लिम तुष्टिकरण की गंदी राजनीति से है। विधानसभा चुनाव 2027 में सपा की दुर्दशा और सफाया होना तय है। यूपी दंगा मुक्त, सुशासन व कघनून व्यवस्था हमारी पहचान और उपलब्धि है। सपाइयों को यही रास नहीं आ रहा।

इलेक्ट्रॉनिक दुकान में आग,लाखों रुपए का सामान जला

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के बंथरा इलाके में शनिवार सुबह एक इलेक्ट्रॉनिक दुकान में भीषण आग लग गई। इस घटना में दुकान के अंदर रखा लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। सूचना मिलने पर पहुंची दमकल टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। यह घटना कानपुर रोड किनारे स्थित बालाजी इलेक्ट्रॉनिक दुकान में हुई। दुकान मालिक वीरेंद्र गुप्ता रोज की तरह शुक्रवार शाम दुकान बंद कर घर चले गए थे। शनिवार सुबह करीब 5.30 बजे दुकान के पास रहने वाले लोगों ने शटर से धुआं निकलते देखा और वीरेंद्र को इसकी सूचना दी। वीरेंद्र ने जब दुकान का शटर खोला तो अंदर आग की तेज लपटें उठ रही थीं। आसपास के लोगों की मदद से बाल्टियों से पानी फेंककर आग बुझाने की कोशिश की गई, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। इसके बाद फायर कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। सरोजनी नगर फायर स्टेशन से पहुंची एक दमकल गाड़ी ने कुछ देर में आग पर नियंत्रण पा लिया। सरोजनी नगर के एफएसओ धर्मपाल सिंह के अनुसार, शुरूआती जांच में आग लगने का कारण विद्युत शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। दुकान मालिक वीरेंद्र गुप्ता ने बताया कि इस आगजनी में मरम्मत के लिए रखे ग्राहकों के सामान और नए स्टॉक सहित लगभग 6 लाख रुपए का इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर नष्ट हो गया। वीरेंद्र गुप्ता की यह दुकान जुनाब गंज स्थित उनके घर से लगभग डेढ़ सौ मीटर दूर है।

युवक का पेड़ से लटका मिला शव,परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के महिगंवा थाना क्षेत्र में एक युवक का शव नीम के पेड़ से रस्सी के सहारे लटका हुआ मिला। शनिवार सुबह भिखारीपुर गांव के पास इटौंजा कुम्हरांवा मार्ग पर ग्रामीणों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कराई। मृतक की पहचान भिखारीपुर निवासी 26 वर्षीय महेंद्र यादव पुत्र रामनरेश यादव के रूप में हुई। पुलिस ने परिजनों को सूचित किया, जिसके बाद घर में हंगामा मच गया। घटनास्थल पर पहुंचे परिजनों ने हत्या कर शव लटकाए जाने की आशंका जताई। परिजनों ने फोरेंसिक टीम बुलाने की मांग की। मृतक की मां ने बताया कि महेंद्र शुक्रवार रात करीब 8 बजे अपनी बहन के घर जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन वह वहां नहीं पहुंचा। मां ने आशंका जताई कि एक महीने पहले गांव के संजय, पप्पू, गुड्डू और बबलू से महेंद्र का झगड़ा हुआ था। परिजनों का आरोप है कि इन्हीं लोगों ने महेंद्र की हत्या कर शव पेड़ पर लटकाया है। पुलिस ने परिजनों को समझा-बुझाकर शव को पेड़ से नीचे उतारा। पंचनामा भरकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और परिजनों के आरोपों की पड़ताल की जा रही है।

लोकसभा-विधानसभा चुनाव लड़े, नहीं दिया हिसाब

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में पंजीकृत 127 और दलों का अस्तित्व खतरे में है। यह वह दल हैं, जिन्होंने पिछले 6 सालों में विधानसभा और लोकसभा चुनाव तो लड़ा लेकिन खर्च का ब्योरा नहीं दिया है। आयोग ने इन सभी दलों को नोटिस जारी कर शुक्रवार तक लिखित रूप से अपना पक्ष एवं दस्तावेज मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में उपलब्ध करवाने को कहा था। अब 6 से 9 अक्टूबर तक इन दलों के प्रतिनिधियों को उपस्थित रहकर व्यक्तिगत सुनवाई का भी मौका दिया जाएगा। दलवार शेड्यूल तय कर दिया गया है। जवाब के आधार पर इसका भविष्य तय होगा। नोटिस पाने वाले 127 दलों में लोकदल, नागरिक एकता पार्टी, आजाद समाज पार्टी भी शामिल है। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार विधानसभा चुनाव खत्म होने के 75 दिनों के भीतर और लोकसभा चुनाव खत्म होने के 90 दिनों के भीतर निर्वाचन व्यय का ब्यौरा दिया जाना अनिवार्य है। इन दलों ने पिछले 3 वित्तीय वर्षों के सालाना ऑडिटेड का विवरण आयोग को उपलब्ध नहीं कराया था। अकेले लखनऊ के यह दल अखंड राष्ट्रवादी पार्टी, आल इंडिया राजीव कांग्रेस पार्टी, एकलव्य समाज पार्टी, किशोर राज पार्टी, लोकदल, लोकगठबंधन पार्टी, मानवतावादी क्रांति दल, मनुवादी पार्टी, नागरिक एकता पार्टी, नैतिक पार्टी, प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया, राष्ट्रवादी श्रमजीवी दल, राष्ट्रवादी क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय मतदाता पार्टी, राष्ट्रीय राष्ट्रवादी पार्टी, सबका दल यूनाइटेड, समाज सेवक पार्टी, सर्वोदय भारत पार्टी, सोशलिस्ट पार्टी इंडिया, यूपी रिपब्लिकन पार्टी लपेट में आ गए हैं।

जानकीपुरम विस्तार कॉलोनी की जनता की मांग कृ सामुदायिक केंद्र का निर्माण

लखनऊ (संवाददाता)। जानकीपुरम विस्तार कॉलोनी को बसाए हुए लगभग 30 वर्ष से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन आज भी यहां के निवासियों को सामुदायिक केंद्र जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित रहना पड़ रहा है। आमतौर पर किसी भी नई कॉलोनी के निर्माण के समय सड़क, नाली, मकान, दुकान, चिकित्सालय, पोस्ट ऑफिस, सब्जी मंडी, बिजली कार्यालय, जल संस्थान कार्यालय और सामुदायिक केंद्र जैसी सुविधाएं जनता के हित में उपलब्ध कराई जाती हैं। परंतु विडंबना यह है कि लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा जानकीपुरम विस्तार की विशाल आबादी को आज तक सामुदायिक केंद्र की सुविधा प्रदान नहीं की गई। स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्राधिकरण के नक्शे में सामुदायिक केंद्र हेतु भूमि सुरक्षित रखी गई थी, किंतु 30 वर्षों के उपरांत भी वहां निर्माण कार्य नहीं कराया गया। यह स्थिति जनहित में अत्यंत चिंताजनक एवं प्रश्नवाचक है। गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों के लिए यह समस्या और गंभीर है, क्योंकि वे अपने पारिवारिक कार्यक्रमों कृ जैसे जन्मदिन, विवाह, मांगलिक व सांस्कृतिक आयोजनों कृ के लिए महंगे होटलों का खर्च वहन नहीं कर सकते। ऐसे में उनके सपने अधूरे रह जाते हैं। इस गंभीर समस्या को देखते हुए लखनऊ जन विकास महासभा, जानकी पुरम विस्तार ने माननीय मुख्यमंत्री जी को एक पत्र प्रेषित किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा इस संबंध में उपाध्यक्ष, लखनऊ विकास प्राधिकरण को स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए जा चुके है।

सम्पादकीय

मौत का सिरप

कैसी विडंबना है कि जीवन रक्षा के लिये दी जाने वाली दवा मौत का कारण बन जाए। जो दवा की संदिग्ध गुणवत्ता और निमार्ता कंपनियों की आपराधिक लापरवाही को ही उजागर करती है। जाहिर है रसायनों की घातकता की मात्रा और गुणवत्ता में कोई खोट इस तरह के हादसों का सबब बना होगा। राजस्थान में कुछ बच्चों की मौत की वजह का संबंध उस सिरप से बताया जा रहा है, जो खांसी ठीक करने के लिये दिया गया। ये हादसे इस बात को रेखांकित करते हैं कि दवा की गुणवत्ता में चूक सामान्य उपचार को कितने जानलेवा जोखिम में बदल सकती है। बताया जाता है कि बच्चों को कथित रूप से मुख्यमंत्री की मुफ्त दवा योजना के तहत सरकारी अस्पतालों में एक जेनेरिक खांसी की सिरप दी गई थी। जबकि इस मामले में जांच चल रही है, यह त्रासदी भारत की फार्मास्यूटिकल निगरानी तंत्र की कोताही ही उजागर करती है। खासकर हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में, जो फार्मा हब के रूप में प्रमुख रूप से उल्लेखित है। महत्वपूर्ण है कि हिमाचल प्रदेश की 655 फार्मास्यूटिकल इकाइयों में से केवल 122 ही जीएमपी यानी गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज के संशोधित शेड्यूल एम मानकों के तहत अपग्रेड करने के लिये पंजीकृत हैं। इसका मतलब यह है कि अधिकांश फार्मा इकाइयां गुणवत्ता मानकों के अनुपालन को प्रमाणित किए बिना काम कर रही हैं। ये जनस्वास्थ्य के प्रति कितनी गैरजिम्मेदार स्थिति है। जबकि हकीकत यह है कि फार्मास्यूटिकल इकाइयों को अपग्रेड करने की समय सीमा कई बार बढ़ाई गई है। यह नियामक तंत्र की कमजोरियों और छोटी फर्मों में सुरक्षित प्रक्रियाओं में निवेश करने की अनिच्छा को ही उजागर करती है। यह विडंबना ही है कि हमारा तंत्र जन-स्वास्थ्य के खिलवाड़ के प्रति उदासीन बना हुआ है। निस्संदेह, जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया, उनके लिये यह बहस कोई सांत्वना नहीं है। उन्हें सही मायनों में सांत्वना तभी मिलेगी जब आपराधिक लापरवाही करने वालों को दंडित किया जाएगा।विडंबना यह है कि अतीत में भी ऐसी कई त्रासदियां हुई हैं, लेकिन हमारे तंत्र ने इससे कोई सबक नहीं सीखा। हालांकि शुक्रवार को केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को परामर्श जारी किया है कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवाइयां नहीं दी जाएं। वर्ष 2020 में भी एक ऐसी त्रासदी सामने आई थी, लेकिन कुछ दिन के शोर के बाद मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। विडंबना देखिए कि मृत बच्चों के परिजन आज भी न्याय की प्रतीक्षा में आंसू बहा रहे हैं। हकीकत यह है कि ऐसी मौतों की जिम्मेदारी तय करने में लगातार देरी होती रहती है। ऐसे हादसों को या तो कमतर दशार्या जाता है या फिर पूरी तरह से अस्वीकार कर दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि विगत में भारत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसी ही शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा था। भारत की फार्मा कंपनियों के द्वारा तैयार सिरप से गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में बच्चों की मौत का लिंक पाए जाने के बाद भारतीय दवाओं पर प्रतिबंध लगाए गए थे। निस्संदेह, ऐसे गैर-जिम्मेदार तरीके से तैयार दवाइयों के चलते भारत की विश्व की फामेर्सी के रूप में हासिल प्रतिष्ठा को ही नुकसान पहुंचा है। हमारे नियामक तंत्र को और कितने बच्चों के मरने का इंतजार है.. जरूरी है इससे पहले गुणवत्ता नियंत्रण सिर्फ कागज पर नहीं व्यवहार में लागू करने की जरूरत है। केंद्र सरकार ने दवाइयों के गुणवत्ता मानकों को तय करने के लिए सख्त तरीके जीएमपी अनुपालन हेतु समय-समय पर निरीक्षणों के लिये कदम उठाए हैं। लेकिन प्रवर्तन के स्तर पर अभी भी तमाम खामियां बरकरार हैं। विडंबना यह है कि राज्य नियामकों के पास पर्याप्त संसाधनों का अभाव है। साथ ही अकसर दंड के प्रावधान प्रभावी नहीं होते। यह एक कटु सत्य है कि भारत की फार्मा सफलता की कहानी केवल सस्ती जेनेरिक दवाइयों पर आधारित नहीं रह सकती। हमें इसे विश्वसनीय बनाने की जरूरत है। इसके लिए मजबूत ऑडिट, लापरवाही के लिए आपराधिक जिम्मेदारी तय हो और मामलों में पीड़ितों को तीव्र न्याय मिलना चाहिए। अन्यथा, ऐसी हर त्रासदी जन-विश्वास को कमजोर करती है- जो किसी भी दवा में सबसे महत्वपूर्ण घटक है।

स्वदेशी एवं स्वावलम्बन ही नये भारत का आधार

संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना महोत्सव यानी प्रत्येक वर्ष विजयदशमी के अवसर पर संघ प्रमुख का उद्बोधन एक नए संदेश और नये दृष्टिकोण के साथ सामने आता है, इस उद्बोधन का पूरा राष्ट्र इंतजार करता है। इस बार संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कई ऐसी बातें कहीं, जो सरकार के साथ समाज के लोगों का ध्यान खींचने वाली हैं। इस पर आश्चर्य नहीं कि उन्होंने अपने संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से भारत पर थोपे गए टैरिफ की चर्चा की। 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ ने भारत के समक्ष जो कठिन चुनौती खड़ी कर दी है, उसका प्रभावी ढंग से सामना स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही किया जा सकता है। भागवत ने संबोधन में स्वदेशी और स्वावलंबन को नए भारत का आधार बताया है। उन्होंने कहा कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में परस्पर निर्भरता एक स्वाभाविक स्थिति है, लेकिन यह निर्भरता कभी भी बंधन या मजबूरी में परिवर्तित नहीं होनी चाहिए। भारत को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ना होगा ताकि विदेशी निर्णयों और नीतियों पर हमारी नियंत्रण क्षमता सीमित न हो जाए। उनका कहना था कि स्वदेशी का अर्थ यह नहीं है कि हम दुनिया से कट जाएं, बल्कि यह है कि हम अपनी शर्तों पर और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार संबंध बनाएं। संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष सम्पूर्णता की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है, नए मनुष्य एवं सशक्त-स्वावलम्बी भारत का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती। संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति एवं सशक्त राष्ट्रीय भावना में देखा जा सकता

है, जो धीरे-धीरे समाज की दिशा बदल रही है। भागवत ने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक दृष्टि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने विविधता को भारत की विशेषता बताया और समाज में विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर चेताया। उन्होंने पंच परिवर्तन की संकल्पना भी प्रस्तुत की जिसमें आत्मजागरूकता, पारिवारिक मूल्य, नागरिक अनुशासन और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को जोड़ा गया है। इस संदेश के सकारात्मक पक्ष अनेक हैं। यदि इसे गंभीरता से अपनाया जाए तो यह देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को नई दिशा दे सकता है। स्थानीय उद्योगों, हस्तशिल्प और कृषि को बढ़ावा देने से रोजगार का सृजन होगा और आर्थिक आत्मसम्मान मजबूत होगा। स्वदेशी पर बल देने से विदेशी निर्भरता घटेगी और देश की सुरक्षा व नीति संबंधी स्वतंत्रता बढ़ेगी। यदि समाज के स्तर पर भी इस सोच को अपनाया जाए तो उपभोक्तावाद के स्थान पर संवेदनशीलता और सेवा भाव विकसित होगा। विविधता के सम्मान और सामाजिक सद्भाव के आग्रह से राष्ट्र अधिक एकजुट और शक्तिशाली बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जिस आत्मनिर्भर भारत का आान कर रहे हैं, उसका परिकल्पना स्पष्ट तौर पर समाहित है। स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही नया भारत-सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। इस बात को सरकार भी रेखांकित कर चुकी है और अब संघ प्रमुख ने भी दोहरा दिया। यह समय की मांग है कि स्वदेशी और स्वावलंबन पर तब तक बल दिया जाए, जब तक वांछित सफलता न मिल जाए। जहां सरकार को स्वदेशी की राह को आसान करना होगा, वहीं समाज को सहयोग देने के लिए तत्पर रहना होगा। इस उम्मीद में नहीं रहा जाना चाहिए कि अमेरिका के साथ शीघ्र ही आपसी व्यापार समझौता हो जाएगा। एक तो जब तक ऐसा हो न जाए तब तक चैन से नहीं बैठा जा सकता और दूसरे, यदि ऐसा हो जाए तो भी भारत को स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलना छोड़ना नहीं चाहिए। व्यापारिक साझेदारों पर निर्भरता लाचारी में नहीं बदलनी चाहिए। वास्तव में इस स्थिति से बचने का ही उपाय है स्वदेशी उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करना। परंतु इस संदेश के साथ कई चुनौतियां और सीमाएं भी जुड़ी हुई हैं। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था इतनी आपस में गुँथी हुई है कि किसी भी देश का पूर्ण स्वावलंबन व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। अनेक तकनीकें और कच्चे माल अब भी हमें विदेशों से ही प्राप्त करने होते हैं। यदि स्वदेशी को बढ़ावा देने के नाम पर विदेशी व्यापार पर प्रतिबंध या अधिक शुल्क लगाए जाते हैं तो यह व्यापार युद्ध और आर्थिक तनाव को जन्म दे सकता है। इस संदेश की सफलता केवल भाषणों और भावनात्मक नारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि ठोस नीतियों, बजट, शोध और योजनाओं के आधार पर इसे अमल में लाना होगा। सामाजिक दृष्टि से भी यह आवश्यक है कि स्वदेशी और स्वावलंबन का नारा केवल एक सांस्कृतिक या राजनीतिक रंग में न ढल जाए। यह तभी कारगर होगा जब इसे हर वर्ग, हर धर्म और हर क्षेत्र का साझा लक्ष्य बनाया जाएगा। नागरिकों की आदतों और व्यवहार में बदलाव लाना आसान नहीं है, लेकिन यदि यह बदलाव शिक्षा, प्रोत्साहन और जनचेतना के माध्यम से लाया जाए तो यह नारा समाज में गहरी जड़ें जमा सकता है। संघ प्रमुख का यह संदेश नए भारत की दिशा में प्रेरणा का स्रोत है। यह हमें बताता है कि हमें अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति पर गर्व करना चाहिए, वैज्ञानिक और तकनीकी दृष्टि से सशक्त होना चाहिए और विश्व के साथ संवाद स्थापित करते हुए भी अपनी स्वायत्तता को बनाए रखना चाहिए। किंतु इसके लिए आलोचनात्मक विवेक, व्यावहारिक सोच और निरंतर समीक्षा की आवश्यकता है। आज विभिन्न देशों की परस्पर मित्रता का आधार अपने-अपने आर्थिक-कूटनीतिक हित हैं। इन स्थितियों में सर्वोत्तम उपाय स्वदेशी को बल देते हुए देश को आत्मनिर्भर बनाना है। आज की वैश्विक परिस्थितियों पर दृष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन-शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन दे सकता है। भारत के पास भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक समृद्धि की धरोहर है। यही धरोहर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्रदान करती है। संघ की शताब्दी वर्ष की सम्पूर्णता का उद्घोष केवल संघ के स्वयंसेवकों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश और विश्व के लिए एक संदेश है। यह संदेश है- स्वावलम्बी एवं स्वदेशी भावना को बदल देना, नए मनुष्य का निर्माण करना, गरीब को उठाना, धर्मों को जोड़ना, समाज में समरसता स्थापित करना और हिंदुत्व की व्यापक जीवन दृष्टि के आधार पर विश्व को दिशा देना। यह केवल भाषण नहीं, बल्कि एक संकल्प है।

फिल्म का दुखद अंत सफलता का फार्मूला

फिल्मों का दुखद अंत दर्शकों को इसलिए पसंद आता है, क्योंकि ऐसा अंत उनकी भावनाओं को गहराई से छूता है। इनमें जीवन की सच्चाइयों का प्रामाणिक चित्रण जो दिखाई देता है। माना जाता है कि दुखद अंत दर्शकों को अपने जीवन की समस्याओं और भावनाओं से जोड़ता है। दुख झेलते किरदार से दर्शक सहानुभूति महसूस करते हैं। शोध बताते हैं, दुखद अंत देखने के बाद दर्शक अपने जीवन के सकारात्मक पहलू गंभीरता से महसूस करते हैं। फिल्म का सुखद अंत देखकर कई बार लगता है कि उनकी समस्याएं असामान्य हैं, जबकि दुखांत यथार्थ है। हिंदी फिल्मों के दर्शक की मानसिकता अनोखी है। उन्हें किस फिल्म की कहानी पसंद आएगी, इस बात का दावा कभी कोई नहीं कर सका। सामान्य धारणा है कि मनोरंजन के मूड से थिएटर आने वाला दर्शक चाहता है कि वो मुस्कुराता हुआ बाहर आए। यानी फिल्म का अंत सुखद हो। हीरो-हीरोइन का मिलन हो, खलनायक को पुलिस पकड़ ले, कोर्ट का फैसला हीरो के हक में हो और हीरो-हीरोइन जिस भी संकट से घिरे हों, वो आखिर में दूर हो जाए। जिन समस्याओं से दर्शक खुद जूझ रहा हो, वो नहीं चाहता कि उसका मनोरंजन भी वैसा ही हो। लेकिन, इसे अपवाद माना जाना चाहिए कि फिल्म इतिहास की ज्यादातर कालजयी फिल्मों का अंत दुखद ही रहा। प्रेम कथाओं पर मशहूर फिल्में देवदास, मुगल-ए-आजम, प्यासा और लैला मजनूं में हीरो-हीरोइन का मिलन नहीं होता और दर्शक मायूस होता है। जबकि, अमिताभ-जया की मिली और राजेश खन्ना की आनंद के दुखांत की वजह लाइलाज रोग रहा। हाल ही में आई फिल्म सैयारा का अंत भी दुखद है। लेकिन, इसने सफलता का रिकॉर्ड बना दिया। यह फिल्म अधूरी मोहब्बत की कहानी है, जिसका क्लाइमेक्स दर्शकों को सालता है। ऐसी और भी कई फिल्में हैं, असफल प्रेम, जीवन संघर्ष या न्याय की तलाश जिनके प्रमुख विषय रहे। इन फिल्मों की कहानियों को जीवन की जटिलताओं से जोड़कर गढ़ा गया। ऐसी कहानियां दर्शकों की आंखें गीली कर देती हैं। देवदास (तीन बार बनी), दिल बेचारा, आशिकी-2, तेरे नाम और एक दूजे के लिए देखने के बाद दर्शक दुखी हुए, पर फिल्म हिट हुई। इन फिल्मों ने दर्शकों को अपनी भावनाएं खुलकर महसूस और व्यक्त करने का जरिया मुहैया कराया। दरअसल, ऐसे पलों में दर्शक खुद के जीवन की कद्र करना या अपनी तकलीफों को छोटा समझना सीखते हैं। दुखद अंत वाली फिल्में सफल होती हैं व यादगार भी बनती हैं। सवाल है कि दुखांत फिल्मों की सफलता का कारण क्या है! इसका कोई एक या सीधा जवाब नहीं हो सकता। इसलिए कि मानवीय भावनाओं से गहरा जुड़ाव, यथार्थवाद और दर्शकों को झकझोर देने वाली कहानियां ज्यादा पसंद की जाती हैं। दरअसल दर्द, विरह और अपूर्ण प्रेम जैसी भावनाएं लगभग हर व्यक्ति महसूस करता है। जब कोई कहानी इन पहलुओं को पेश करती है, तो दर्शक उसमें खुद को महसूस करते हैं। असल में फिल्म का दुखद अंत झकझोरता है जिससे फिल्म और उसके पात्र जेहन में बैठ जाते हैं। ऐसी कहानियां अक्सर अमर और क्लासिक मानी जाती हैं। वे फिल्में जिनके क्लाइमैक्स ने दर्शकों को बेहद दुःखी किया और कई बार भावुक भी कर दिया। गंगा जमुना (1961) फिल्म दो भाइयों गंगा और जमुना की कहानी है, जो विद्रोह और बलिदान पर केंद्रित है। फिल्म का अंत जमुना की मौत से होता है। अमर प्रेम (1972) भी अत्यंत भावुक अंत के लिए जानी जाती है जिसमें शशि कपूर और शर्मिला टैगोर के किरदार मिल नहीं पाते। देवदास (2002) में देवदास पारो के प्रेम में टूटकर शराबी हो जाता है और उसके घर के बाहर ही अंतिम सांस लेता है। तेरे नाम (2003) का नायक सलमान खान (राधे) मानसिक संतुलन खो बैठता है और अपनी प्रेमिका की मृत्यु के बाद पूरी तरह टूट जाता है। कल हो न हो, रॉकस्टार, आशिकी-2, गोलियों की रासलीला रू राम-लीला व बाजीराव मस्तानी की कहानियों के बीच में और अंत में दुखद तत्व हैं। प्रेम कथाओं के अलावा सामाजिक और पारिवारिक दुखांत कथानकों ने भी दर्शकों को प्रभावित किया। ऐसी फिल्मों में अमिताभ और जया भादुड़ी की फिल्म अभिमान (1973) भी है, जिसमें गायक दम्पति के रिश्ते में दरार आने से उनकी कहानी भावनात्मक हो जाती है। साल 1983 में आई मासूम में एक अवैध संतान की अस्वीकार्यता परिवार में दर्द देती है। अमिताभ-हेमा की फिल्म बागबान में उम्रदराज दम्पति अपने ही बच्चों से उपेक्षित हो जाते हैं। ऐसी अन्य फिल्में हैं सनम तेरी कसम, हाईवे, पद्मावत, इश्कजादे, मसान और द लंच बॉक्स। इन फिल्मों की ट्रैजिक एंडिंग ने दर्शकों को रुला दिया था। दुखद प्रेम और पारिवारिक कथाएं जीवन के ज्यादा गहरे, जटिल विषयों जैसे प्रेम, हानि, कुर्बानी और मानवीय मजबूरियों का चित्रण करती हैं। दर्शकों को ये विषय खुद के जीवन अनुभवों के करीब लगते हैं। ऐसी फिल्में दर्शकों को आंसू बहाने, दुख महसूस करने का मौका देती हैं जिससे राहत मिलती है। दुखद अंत वाली फिल्मों में कुछ विशिष्ट कथा तत्व बार-बार देखने को मिलते हैं, जो दर्शकों में गहरा भावनात्मक प्रभाव छोड़ते हैं। सबसे सामान्य है अपूर्ण प्रेम या जुदाई। प्रेम कहानियों में अक्सर मुख्य पात्रों का एक-दूसरे से बिछड़ना, अलग हो जाना या उनका प्रेम पूरा न हो पाना प्रमुख रहता है। किसी प्रिय पात्र का बिछुड़ जाना, परिवार या मित्र की हानि कथा को दुखद बनाते हैं।

यदि भारत वस्तुत : हिंदू राष्ट्र बन जाता है, तो इसका दलितों पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

एसआर दारापुरी

भारत के वस्तुतः हिंदू राष्ट्र बनने की अवधारणा कृएक ऐसा राष्ट्र जहाँ शासन, कानून और समाज में हिंदू पहचान और मूल्यों को प्राथमिकता दी जाती है कृराजनीतिक और सामाजिक विमर्श में एक काल्पनिक परिदृश्य बनी हुई है जिस पर बहस होती है। इसे अक्सर आरएसएस और भाजपा जैसे समूहों द्वारा प्रचारित हिंदू राष्ट्रवादी विचारधाराओं से जोड़ा जाता है, जो हिंदू धर्म के अंतर्गत सांस्कृतिक और धार्मिक एकता पर जोर देती हैं। दलित (अनुसूचित जातियाँ), जिन्हें पारंपरिक हिंदू धर्म में अंतर्निहित जाति व्यवस्था के तहत ऐतिहासिक रूप से गंभीर भेदभाव का सामना करना पड़ा है, बहुआयामी प्रभावों का अनुभव कर सकते हैं। विद्वानों, कार्यकताओं और सार्वजनिक चचाओं के विश्लेषणों के आधार पर, प्रभाव मुख्यतः नकारात्मक होने की संभावना है, जो जातिगत पदानुक्रम को संभावित रूप से बढ़ा सकते हैं जबकि कुछ लोगों के लिए सीमित या सतही समावेशन प्रदान कर सकते हैं। नीचे, उपलब्ध दृष्टिकोणों के आधार पर, संतुलित तरीके से प्रमुख संभावित प्रभावों की रूपरेखा प्रस्तुत किया जा रहा है। एक हिंदू राष्ट्र वर्ण व्यवस्था (जाति विभाजन) को राज्य की नीतियों में और गहराई से समाहित कर सकता है, दलितों को पारंपरिक हिंदू

ग्रंथों के नजरिए से देख सकता है, जिनमें ऐतिहासिक रूप से उन्हें ष्बहिष्कृतष या अछूत माना जाता रहा है। उच्च जातियों का प्रभुत्व बढ़ सकता है, जिसके परिणामस्वरूप सामाजिक बहिष्कार में वृद्धिरू दलितों को नए कलंक का सामना करना पड़ सकता है, अस्पृश्यता जैसी प्रथाएँ सूक्ष्म या प्रत्यक्ष रूपों में फिर से उभर सकती हैं, उन्हें तुच्छ नौकरियों तक सीमित कर सकती हैं और शिक्षा या संसाधनों तक उनकी पहुँच सीमित कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, कुछ लोग तर्क देते हैं कि ब्राह्मण-नेतृत्व वाली विचारधाराएँ दलितों को फिर से अधीनस्थ भूमिकाओं में धकेल देंगी, उन्हें धर्मनिरपेक्ष संविधान के संरक्षण के बिना ष्णुलामष जैसा व्यवहार करेंगे। जाति-आधारित अत्याचार, जो पहले से ही व्याप्त हैं, मजबूत धर्मनिरपेक्ष सुरक्षा उपायों के बिना और बढ़ सकते हैं। विशेष रूप से दलित महिलाओं को यौन हिंसा और न्याय के अभाव का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि हिंदू राष्ट्रवादी आख्यान कभी-कभी जातिगत विभाजन को कम करके आंकते हैं या उसे उचित ठहराते हैं। ऊँची जातियों के पक्ष में नीतियों के कारण भूमि, नौकरियों और संपत्ति तक पहुँच सीमित हो सकती है। दलितों पर आगे के बहिष्कार से बचने के लिए ष्पुनः धर्मांतरणष या हिंदुत्व के साथ जुड़ने का दबाव डाला जा सकता है, लेकिन यह उनकी स्वायत्तता की कीमत पर हो सकता है। ऐतिहासिक रूप से, हिंदू राष्ट्रवादियों ने जनसांख्यिकीय और चुनावी लाभ के लिए दलितों को एक व्यापक हिंदू पहचान में शामिल करने का प्रयास किया है, जबकि पारंपरिक ग्रंथों में उन्हें मूल हिंदू रीति-रिवाजों से बाहर रखा गया है। यह ष्समावेशष अक्सर सतही होता है और जातिगत बाधाओं को दूर नहीं करता है।भारत का संविधान, बी.आर. अंबेडकर (एक दलित नेता जिन्होंने हिंदू धर्म को अस्वीकार किया) द्वारा निर्मित, ऐतिहासिक अन्याय का मुकाबला करने के लिए अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण प्रदान करता है। एक हिंदू राष्ट्र में लाभों का संभावित क्षरण हिंदू-केंद्रित ढांचे के तहत आरक्षण को फिर से तैयार या कमजोर किया जा सकता है, खासकर यदि दलित हिंदू धर्म छोड़कर (जैसे, बौद्ध धर्म, इस्लाम या ईसाई धर्म अपनाते हैं), जिससे अनुसूचित जाति का दर्जा और नौकरियों, शिक्षा या आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों के लिए पात्रता समाप्त हो जाती है। कुछ लोगों को डर है कि इसका असर जातियों के कठोर पुनर्वर्गीकरण तक पहुँच सकता है, यहाँ तक कि उच्च-स्तरीय दलितों को भी स्थायी रूप से ष्शूद्रष मान लिया जाएगा। ऐतिहासिक रूप से, कई दलितों ने जातिगत उत्पीड़न के विरोध में अन्य धर्मों (जैसे, बौद्ध धर्म) को अपनाया है। एक हिंदू राष्ट्र धर्मांतरण-विरोधी कानूनों को और सख्त कर सकता है, इस पलायन मार्ग को प्रतिबंधित कर सकता है और आत्मसात करने के लिए मजबूर कर सकता है, जिससे और अधिक अशांति फैल सकती है।

धरती और प्रकृति का बदलता नैसर्गिक स्वरूप, बाढ़-सूखा और भूकंप

इंसान की लालच ने मूक धरती को भी कहीं का नहीं छोड़ा है इंसानों की स्वार्थी गतिविधियों के कारण आज पृथ्वी पर उष्णता का गंभीर संकट मंडरा रहा है। धरती, जिसे हमने सदा मां का सम्मान दिया है,आज वही पृथ्वी माता अपनी ही संतानों के लोभ,लालच और स्पृहा से कराह कर,जख्मी हो कर तड़प रही है। औद्योगिकीकरण की अंधा-धुंध दौड़, प्रदूषण का भयानक विस्तारित स्वरूप, जंगलों की बेदर्द कटाई और धरती में उपलब्ध संसाधनों का अंधाधुंध दोहन इन सबने धरती का संतुलन बिगाड़ कर रख दिया है। नतीजा यह है कि कभी बरसात बेकाबू होकर प्रलय लाती है, तो कभी महीनों तक आसमान सूखा रहकर दरारें छोड़ देता है। यही है आज का सबसे बड़ा संकट अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं जैसे इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज और विश्व मौसम विज्ञान संगठन की रिपोर्टें बता रही हैं कि धरती का औसत तापमान औद्योगिक क्रांति के बाद से 1.2 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। सुनने में यह मामूली छोटा आंकड़ा लगता है, पर इसके असर बेहद भयावह हैं। हिमखंड पिघल रहे हैं, समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है और मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल चुका है। भारत खेती पर ही अधारित,निर्भर देश इसका सबसे बड़ा भुक्त भोगी रहा है। यहां की अर्थव्यवस्था और करोड़ों किसानों का जीवन मानसून पर अवलंबित तथा टिका हुआ है। लेकिन अब मानसून का स्वरूप पूरी तरह तहस नहस हो चुका है। देश के राज्य कीगईअसम, बिहार और उत्तराखंड में हर साल बाढ़ तबाही मचाती है, जबकि विदर्भ, मराठवाड़ा, बुंदेलखंड और राजस्थान में सूखा किसानों को आत्महत्या तक करने को मजबूर कर देशता है। 2013 की केदारनाथ त्रासदी और 2018 की केरल बाढ़ ने लाखों परिवार उजाड़ दिए हैं। वैश्विक स्तर पर दुनिया के दूसरे हिस्सों की तस्वीर भी उतनी ही डरावनी है। चीन की यांग्त्जी नदी की बाढ़ करोड़ों लोगों को प्रभावित करती है। अफ्रीका का साहेल क्षेत्र लगातार सूखे से जूझ रहा है। अमेरिका के कैलिफोर्निया और ऑस्ट्रेलिया के जंगलों की आग हर साल नई तबाही लाती है। यूरोप की गर्म हवाएं हजारों लोगों की जान ले चुकी हैं। हमारे पड़ोसी बांग्लादेश और नेपाल बार-बार बाढ़ और तूफानों से त्रस्त रहते हैं। यह स्पष्ट है कि वैश्विक उष्णता अब किसी एक देश का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरी मानवता का संकट है। भारतीय संस्कृति सदा से प्रकृति को पूजती आ रही है। ऋग्वेद से लेकर महात्मा गांधी तक हमें यही संदेश मिला कि प्रकृति का सम्मान करो, उसका दोहन नहीं। गांधी जी ने चेताया था कि ष्धरती मनुष्य की जरूरत पूरी कर सकती है, लेकिन उसके लालच को नहीं। दुर्भाग्य से हमने इस चेतावनी की अनदेखी की और आज परिणाम हमारे सामने है। फिर भी उम्मीद बाकी है। बचाव के रास्ते हमारे ही हाथों में हैं। कोयले और पेट्रोलियम पर निर्भरता घटाकर सौर, पवन और बायोगैस जैसी नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। जंगलों की कटाई रोककर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करना होगा। जल संरक्षण को आंदोलन का रूप देना होगा। तालाब-कुएं पुनर्जीवित करने होंगे, नदियों की सफाई करनी होगी। किसानों को सूक्ष्म सिंचाई और आधुनिक जल प्रबंधन से जोड़ना होगा। और व्यक्तिगत स्तर पर ऊर्जा की बचत, प्लास्टिक का कम प्रयोग और हरित जीवनशैली अपनाना अब हर नागरिक का धर्म होना चाहिए।धरती तप रही है, आसमान गरम हो रहा है और बारिश-बाढ़ का तांडव हमें आगाह कर रहा है कि समय हाथ से निकल रहा है। यह केवल वैज्ञानिक रिपोर्टों का सवाल नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व का प्रश्न है। यदि आज नहीं चेते तो कल की सभ्यता केवल इतिहास की किताबों में बचेगी। धरती मां की पुकार साफ है-मुझे बचाओ, ताकि तुम्हारा भविष्य भी बचा रहे।

'मार्केट क्रैश से पहले करें यह काम...', रिच डैड पुअर डैड के लेखक का वॉरेन बफे का नाम लेकर बड़ा दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते एक साल में सोने और चांदी की कीमतों में 50% से ज्यादा का उछाल आया है। सोने और चांदी में इस तेज उछाल के बाद रिच डैड पुअर डैड के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने निवेशक वॉरेन बफेट का नाम लेकर बड़ा दावा किया है। बफेट कभी भी सोने में निवेश के बड़े समर्थक नहीं रहे हैं। अनुभवी निवेशक और रिच डैड, पुअर डैड के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने कहा है कि वॉरेन बफेट की ओर से हाल के दिनों में सोने और सोने और चांदी का समर्थन शेयर और बांड बाजारों की स्थिति के बारे में चिंता जाहिर करती है। कियोसाकी ने यह भी कहा कि निवेशकों को बर्कशायर हैथवे के संस्थापक का अनुसरण करना चाहिए और शेयर बाजार में गिरावट की आशंका को देखते हुए बिटकॉइन, सोना और चांदी खरीदने पर विचार करना चाहिए। कियोसाकी लंबे समय से दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरंसी के समर्थक रहे हैं और बीटीसी को इसके डिजाइन के कारण 'पूरी तरह से प्रतिभाशाली' कहते हैं।

कंगना रनौत

की रैंप पर धमाकेदार एंट्री, फैन्स ने कहा-ओजी क्वीन वापस आ गई

बॉलीवुड की क्वीन कंगना रनौत ने लंबे समय बाद रैंप वॉक कर अपनी खास छाप छोड़ी है। शुक्रवार, 3 अक्टूबर को डिजाइनर राहुल के ब्राइडल ज्वैलरी कलेक्शन राब्ता बाय राहुल के लिए कंगना शोस्टॉपर बनीं और सोशल मीडिया पर उनके रैंप वॉक की वीडियो खूब वायरल हो रही है। फैन्स ने उन्हें ओजी रैंप क्वीन की उपाधि दी और उनकी तारीफों के पुल बांध दिए। इस खास मौके पर कंगना ने गोल्डन कढ़ाई वाली आइवरी साड़ी पहनी थी, जिसे उन्होंने एक परफेक्ट ब्लाउज के साथ कैरी किया। उनके लुक को और निखारा पन्ना और सोने के गहनों ने, जो उनके आउटफिट को एक रॉयल टच दे रहे थे। कंगना ने अपने बालों को फूलों से सजा रखा था और ट्रेडिशनल एक्सेसरीज ने उनके पूरे लुक को परफेक्शन दिया। राब्ता बाय राहुल ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कंगना का रैंप वॉक वीडियो शेयर किया और उन्हें अपनी म्यूज बताया। वीडियो पर फैंस की प्रतिक्रियाएं आग की तरह फैल गईं। एक यूजर ने लिखा, ओजी रैंप क्वीन!, तो किसी ने कहा, उनका रैंप वॉक बेमिसाल है, आप सच में क्वीन हो। कंगना रनौत ने पिछले कुछ वर्षों में कई मशहूर डिजाइनर्स के लिए रैंप वॉक किया है, लेकिन यह उनका रैंप पर एक लंबा ब्रेक के बाद वापसी थी। 2022 में, वह लैक्मे फैशन वीक में खादी इंडिया के लिए रैंप पर दिखीं थीं, जहां उन्होंने व्हाइट खादी जामदानी साड़ी और ओवरकोट पहना था।

इंडियाज गॉट टैलेंट के साथ शुरू होगा एंटरटेनमेंट का नया सफर

स्टेज और लाइट्स तैयार है, दर्शकों के बीच उत्साह अपने चरम पर है, क्योंकि इंडियाज गॉट टैलेंट आज रात 9.30 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी स्पट पर प्रीमियर हो रहा है। बता दें कि इसे भारत का सबसे बड़ा नॉन-फिक्शन शो माना जाता है। ऐसे में इस सीजन में आपको अजब टैलेंट्स और उनके गजब परफॉर्मेंस देखने को मिलने वाले हैं, जैसे आपने पहले कभी नहीं देखा होगा। इस साल के शानदार जजों के पैनल में नवजोत सिंह सिद्धू, मलाइका अरोड़ा और शान जैसी सबसे अनोखी और जोशीली तिकड़ी है। सिद्धू की जबरदस्त शायरी हर परफॉर्मेंस के जादू को पकड़ती है और मलाइका और शान के साथ उनकी शानदार केमिस्ट्री इस सीजन के एंटरटेनमेंट लेवल को आसमान तक ले जाने वाली है। लेकिन असली स्टार्स हैं परफॉर्मेंस कृ पूरे देश के अजब टैलेंट्स जिन्होंने समाज द्वारा किए गए शक के बावजूद अपने शौक को आगे बढ़ाया है। उनके कभी न देखे गए एक्ट्स इस सीजन के नारे जो अजब है, वो गजब है को पूरी तरह से पेश करते हैं। अलग चीजों को यादगार बनाते हुए! नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा, मैं ऐसे टैलेंट्स को देखने के लिए बहुत खुश हूं जो अलग, क्रिएटिव और हिम्मत वाले हैं। ये टैलेंट्स न सिर्फ देश को हैरान करेंगे बल्कि दूसरों को भी अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करेंगे! इंडियाज गॉट टैलेंट आज रात 9.30 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लाइव पर

तेरे इश्क में का टीजर रिलीज होते ही छाया, फैंस बोले, यह है सिनेमा की ताकत

सुपरस्टार धनुष और कृति सैनन की आने वाली फिल्म तेरे इश्क में का टीजर रिलीज होते ही इंटरनेट पर धूम मचा रहा है। टीजर ने कुछ ही घंटों में यूट्यूब पर 25,000 से अधिक कमेंट्स बटोर लिए और हिंदी भाषा में नंबर 1 पर ट्रेंड करने लगा। फैंस इसे प्योर सिनेमा और मास्टरपीस इन द मेकिंग बता रहे हैं, जिससे यह साल के सबसे चर्चित टीजरों में से एक बन गया है।

निर्देशक आनंद एल. राय की इस फिल्म में धनुष एक बार फिर अपने पसंदीदा अंदाज गहराई से भरे रोमांस में लौटते नजर आ रहे हैं। दो मिनट के टीजर में प्रेम, पीड़ा और जुनून का ऐसा संगम दिखता है, जिसने दर्शकों को भावुक कर दिया है। खासकर धनुष के डायलॉग्स ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। टीजर की शुरूआत होती है कृति सैनन के किरदार की हल्दी सेरेमनी से, जहां खुशियां और संगीत का माहौल है। लेकिन जल्द ही माहौल बदलता है जब धनुष घायल अवस्था में एंट्री करते हैं और कृति से आंखें मिलती हैं एक पल जो पूरी कहानी कह देता है।

अपने बाप को जलाने गया था बनारस सोचा तेरे लिए गंगाजल लेता आऊं३ नई जिंदगी शुरू कर रही है, पुराने पाप तो धो ले। शंकर करे तेरा बेटा हो इश्क में जो मर जाते हैं, वो भी किसी के बेटे होते हैं। फैंस ने धनुष की दमदार अदाकारी, राय की खूबसूरत विजुअल स्टोरीटेलिंग और कृति की प्रभावशाली मौजूदगी की जमकर तारीफ की है। टीजर हिंदी समेत कई भाषाओं में ट्रेंड कर रहा है और कई दर्शकों ने फिल्म को 2025 की कल्ट क्लासिक इन द मेकिंग तक कह दिया है जबकि ट्रेलर अभी आना बाकी है। गुलशन कुमार, टी-सीरीज और कलर येलो प्रोडक्शन्स प्रस्तुत करते हैं तेरे इश्क में। फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय ने किया है और कहानी हिमांशु शर्मा व नीरज यादव ने लिखी है। संगीत ए. आर. रहमान का है और गीत इरशाद कामिल ने लिखे हैं। धनुष और कृति सैनन अभिनीत यह फिल्म 28 नवंबर 2025 को हिंदी और तमिल में विश्वभर में रिलीज की जाएगी।

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की रोमांचक लव स्टोरी, जानिए कैसे शुरू हुआ सफर

तेलुगु सिनेमा के सबसे चर्चित और पसंदीदा जोड़ी रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा के बीच रिश्ते की बातें इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। मीडिया और फैंस में सगाई के कयास तेज हो गए हैं। कहा जा रहा है कि 3 अक्टूबर 2025 को हैदराबाद में एक निजी समारोह में दोनों ने अपने रिश्ते को एक नए मुकाम पर पहुंचाया। हालांकि, दोनों ने अभी तक इस खबर को आधिकारिक तौर पर स्वीकार नहीं किया है। इसी बीच, हम लेकर आए हैं इस जोड़ी की लव स्टोरी की पूरी टाइमलाइन, जो है रोमांचक और दिल छू लेने वाली। रश्मिका और विजय की कहानी 2017 में फिल्म गीता गोविंदम के सेट पर शुरू हुई थी। उस वक्त रश्मिका अपनी पहले की सगाई टूटने के बाद काफी भावनात्मक दौर से गुजर रही थीं। विजय के साथ उनकी केमिस्ट्री ने फैंस का ध्यान खींचा और जल्द ही ये जोड़ी ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन दोनों ही जगह खूब पसंद की जाने लगी। फिल्म की सफलता ने इनके बीच की बॉन्डिंग को और मजबूत किया। 2019 में दोनों फिर से डियर कॉमरेड फिल्म में साथ नजर आए, जहां उनकी केमिस्ट्री ने और भी जादू कर दिया। इस दौरान, मीडिया और फैंस के बीच डेटिंग की चर्चाएं तेज हो गईं। सेट पर और बाहर कई बार इन्हें साथ देखा गया, जिससे इन अटकलों को बल मिला। 2020 से 2022 के बीच, दोनों ने सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते को स्वीकार नहीं किया, लेकिन उनकी हरकतें और पोस्ट इस बात का सबूत थीं कि ये प्यार छुपा नहीं रहा। अलग-अलग जगहों पर एक साथ वेकेशन मनाना, फैंस के लिए रिश्ते की पुष्टि जैसी थी। साथ ही, विजय के फैमिली फंक्शंस में रश्मिका की उपस्थिति ने रिश्ते को और मजबूती दी। 2023 में, दोनों की सार्वजनिक उपस्थिति बढ़ी और इंटरव्यू के दौरान रिश्ते के संकेत मिलने लगे। खास बात तब हुई जब रश्मिका ने एक टीवी शो में अपने को-स्टार रणबीर कपूर के सामने विजय को फोन किया। इस नाजुक पल ने फैंस के दिलों को पिघला दिया। इसके बाद, 2025 में दोनों ने ओमान में रश्मिका का जन्मदिन साथ मनाया, जिससे रिश्ता और भी स्पष्ट हो गया। अक्टूबर 2025 में खबर आई कि दोनों ने हैदराबाद में एक गुप्त समारोह में सगाई कर ली है। यह फंक्शन बेहद निजी और सादगी से सम्पन्न हुआ, जिसके कोई आधिकारिक तस्वीरें सामने नहीं आईं। इंडस्ट्री सूत्रों की मानें तो ये कपल फरवरी 2026 में शादी के बंधन में बंधने वाला है।

जुबीन गर्ग को दिया गया जहर? सिंगर के बैंडमेट का चौंकाने वाला दावा

असम के लोकप्रिय गायक जुबीन गर्ग की मौत की गुत्थी अब और भी उलझती दिखाई दे रही है। 19 सितंबर को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान हुई उनकी मौत ने सभी को स्तब्ध कर दिया था। हाल ही में उनके बैंडमेट और गवाह शेखर ज्योति गोस्वामी ने इस मामले में नया खुलासा किया है, जिसमें उन्होंने गायक के मैनेजर और फेस्ट ऑर्गनाइजर पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

एसआईटी जांच में नया मोड़

जुबीन गर्ग की मौत की जांच के लिए असम पुलिस ने स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) का गठन किया था। एसआईटी ने इस मामले में पहले ही कुल 12 लोगों को पूछताछ के लिए नोटिस भेजे थे। इस प्रक्रिया में गायक के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा और फेस्ट ऑर्गनाइजर श्यामकानु महंत को गिरफ्तार किया गया। दोनों को गुवाहाटी कोर्ट में पेश करने के बाद 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया।

जुबीन गर्ग जी की मौत पर गहरे सवाल खड़े होते हैं, जिनके जवाब मिलना बेहद जरूरी है।

2022 में सर पर चोट लगने के बाद से उन्हें पानी और आग दोनों का फोबिया हो गया था। वह लगातार दवाइयाँ ले रहे थे। उनके करीबी सिद्धार्थ, जो 2014 से उनके साथ रह रहे हैं, इस सच्चाई को अच्छे से जानते थे।

बैंडमेट ने लगाए गंभीर आरोप

एसआईटी की पूछताछ में जुबीन के बैंडमेट शेखर ज्योति गोस्वामी ने दावा किया कि जुबीन गर्ग को उनके मैनेजर और फेस्ट ऑर्गनाइजर ने जहर दिया था। गोस्वामी ने बताया कि जब गायक डूब रहे थे, तो उनके मुंह और नाक से झाग निकल रहे थे, लेकिन उन्हें तुरंत अस्पताल नहीं ले जाया गया। उन्होंने यह भी कहा कि जुबीन को स्विमिंग बहुत अच्छी तरह से आती थी, इसलिए उनकी मौत केवल डूबने से नहीं हो सकती।

मौत की तारीख और घटना

जुबीन गर्ग का निधन 19 सितंबर 2025 को सिंगापुर में हुआ। वह एक इवेंट में परफॉर्म करने गए थे। इस इवेंट से पहले उन्होंने स्कूबा डाइविंग की थी, और इसी दौरान कथित रूप से डूबने की घटना हुई। सिंगापुर से खबर आने के बाद उनके प्रशंसकों में शोक की लहर दौड़ गई।

यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल है।

एक पुलिस ऑफिसर ड्यूटी भी कर रहा है और अपने चहते कलाकार को अंतिम विदाई भी दे रहा है।

फैंस में चिंता, सोशल मीडिया पर उठे सवाल

जुबीन गर्ग के फैंस इस खबर से हैरान हैं और सोशल मीडिया पर लगातार उनकी सुरक्षा को लेकर सवाल उठा रहे हैं। ट्विटर और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स पर रुश्रनेजपबमथ्वर्तनइममद ट्रेंड करने लगा है। जुबीन गर्ग का अंतिम संस्कार 23 सितंबर 2025 को उनके गृह जिला गुवाहाटी, असम के पास कमरकुची गांव में किया गया। इस दौरान उन्हें राजकीय सम्मान के साथ विदाई दी गई। उनके प्रशंसकों और परिवारजन ने इस मौके पर गायक को श्रद्धांजलि अर्पित की।

अब एसआईटी की जांच इस आरोप पर केंद्रित

असम पुलिस अब शेखर ज्योति गोस्वामी के आरोपों की गहन जांच कर रही है। एसआईटी इस बात की पुष्टि करने की कोशिश कर रही है कि क्या वास्तव में जुबीन गर्ग को किसी ने जहर दिया था या उनकी मौत स्कूबा डाइविंग की दुर्घटना के कारण हुई।

'भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में कटौती का विकल्प खुला रखा', क्रिसिल इंटेलिजेंस की रिपोर्ट में दाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक ने भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना खुली रखी है। क्रिसिल इंटेलिजेंस की हालिया रिपोर्ट के अनुसार मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने महंगाई के अपने पूर्वानुमान को भी घटा दिया है। बता दें कि केंद्रीय बैंक ने टैरिफ अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए 1 अक्तूबर को अपनी नीतिगत ब्याज दरों को लगातार दूसरी बार 5.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया। अमेरिकी टैरिफ से दूसरी छमाही में जीडीपी वृद्धि में गिरावट का जोखिम बरकरार रिपोर्ट में कहा गया है कि एमपीसी ने स्वीकार किया कि अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव के कारण चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में जीडीपी वृद्धि में गिरावट का जोखिम रहेगा। हालांकि, क्रिसिल ने कहा कि जीएसटी सुधारों से समग्र प्रभाव आंशिक रूप से कम हो जाएगा। फेड के फैसलों ने आरबीआई के लिए रास्ता खोला रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ श्रम-प्रधान क्षेत्र अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील हैं और उन्हें नीतिगत समर्थन की जरूरत है। इस वित्तीय वर्ष में मुद्रास्फीति अब चिंता का विषय नहीं रही और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती शुरू होने से आरबीआई के लिए दरों में कमी करने की संभावना बनी है।

नीरव मोदी को सता रहा भारत प्रत्यर्पण के बाद यातनाओं का डर

कोर्ट में याचिका दाखिल कर लगाई यह गुहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीरव मोदी ने अपने प्रत्यर्पण के मुकदमे को फिर से खोलने के लिए वेस्टमिंस्टर न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। अपनी याचिका में नीरव मोदी ने दलील दी है कि यदि उन्हें भारत प्रत्यर्पित किया गया तो विभिन्न एजेंसियां उनसे पूछताछ करेंगी। इस कारण उन्हें यातनाएं दी जा सकती हैं। लंदन की एक अदालत 23 नवंबर को भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी की उस याचिका पर सुनवाई करेगी। पीएनबी घोटाले के आरोप मोदी ने अपने प्रत्यर्पण के मुकदमे को फिर से खोलने की मांग की है। नीरव मोदी ने इस आधार पर याचिका दायर की है कि अगर उसे भारत वापस लाया गया तो एजेंसियों की ओर से उससे पूछताछ की जा सकती है। उसने अदालत से इस आशंका को देखते हुए मामले को फिर से खोलकर उस पर सुनवाई करने को कहा है। नीरव मोदी सुप्रीम कोर्ट तक अपनी सभी कानूनी अपीलें दायर कर चुके हैं। अब उन्होंने प्रत्यर्पण के मुकदमे को फिर से खोलने के लिए वेस्टमिंस्टर न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। अपनी याचिका में नीरव मोदी ने दलील दी है कि यदि उन्हें भारत प्रत्यर्पित किया गया तो विभिन्न एजेंसियां उनसे पूछताछ करेंगी। इस कारण उन्हें यातनाएं दी जा सकती हैं। जानकारों के अनुसार इस इस मामले में जांच कर रही एजेंसियां अदालत को अपना पुराना आश्वासन दोहरा सकती

हैं कि प्रत्यर्पित किए जाने पर मोदी पर भारतीय कानूनों के अनुसार मुकदमा चलाया जाएगा और एजेंसियों की ओर से उससे कोई पूछताछ नहीं की जाएगी। घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने कहा, ₹हमने मामले में आरोपपत्र दाखिल कर दिया है। अभी उनसे पूछताछ की जरूरत नहीं है। हमारी जांच लगभग पूरी हो चुकी है। उन्हें मुकदमे का सामना करना होगा। अगर ब्रिटेन की अदालत हमसे कहती है, तो हम अपना आश्वासन दोहरा सकते हैं कि अगर उन्हें भारत प्रत्यर्पित किया जाता है, तो उनसे कोई पूछताछ नहीं की जाएगी। हमने पहले भी ऐसा आश्वासन दिया है ₹ मोदी पर पंजाब नेशनल बैंक से धोखाधड़ी से जारी सैकड़ों लेटर ऑफ अंडरटेकिंग्स के जरिए 6,498 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हड़पने का आरोप है। उनके खिलाफा मामलों पर काम कर रही सभी जांच एजेंसियां इस बात पर एकमत हैं कि उनसे पूछताछ की जरूरत नहीं है। भारत ने पहले ही ब्रिटेन को बता दिया है कि मोदी को मुंबई के आर्थर रोड जेल की बैरक 12 में रखा जाएगा। वहां किसी भी तरह की हिंसा, भीड़भाड़, दुर्व्यवहार का कोई खतरा नहीं है और वहां चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध है। एजेंसियों ने ब्रिटेन को आश्वासन दिया है कि उन पर भारतीय कानूनों के अनुसार मुकदमा चलाया जाएगा और कोई नया आरोप नहीं लगाया जाएगा। कभी भारतीय आभूषण उद्योग की जानी-मानी हस्ती रहे 54 वर्षीय हीरा व्यापारी नीरव मोदी को 19 मार्च, 2019 को प्रत्यर्पण वारंट पर गिरफ्तार किया गया था। उस दौरान ब्रिटेन की गृह सचिव प्रीति पटेल ने अप्रैल 2021 में उसके प्रत्यर्पण का आदेश दिया था। वह लगभग छह साल से लंदन की जेल में है।

सुरक्षा बलों को मिली बड़ी सफलता, वरिष्ठ कमांडर समेत 10 उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में असम राइफल्स ने एक प्रतिबंधित संगठन के वरिष्ठ कमांडर सहित10 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। अर्धसैनिक बल ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। असम राइफल्स ने बताया कि यह गिरफ्तारी एक अक्टूबर को चुराचांदपुर के जंगलों में चलाए

गए अभियान के दौरान की गई। अर्धसैनिक बल की ओर से जारी बयान में कहा गया, असम राइफल्स ने एक अक्टूबर को 'ऑपरेशन सॉन्गाकोट' के तहत यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी के वरिष्ठ कमांडर जामखोगिन गुइते लुफो उर्फ पेप्सी को गिरफ्तार किया। इसके अलावा नौ अन्य उग्रवादियों को भी इस अभियान में पकड़ा गया। असम राइफल्स ने कहा, यह सफल अभियान चुराचांदपुर और जिरीबाम में यूकेएनए के नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका है और क्षेत्र में शांति व सुरक्षा के प्रति असम राइफल्स की प्रतिबद्धता को दोहराता है। मणिपुर के अधिकारियों के अनुसार यूकेएनए कमांडर पर जनवरी 2024 में बिष्णुपुर जिले में मीतई समुदाय के चार लोगों (एक पिता-पुत्र सहित) की हत्या में शामिल होने का आरोप है। मई 2023 से मणिपुर में मीतई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा में अब तक 260 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

ईरान ने दी छह कैदियों को फांसी

इस्त्राइल के लिए हमले का आरोप, मानवाधिकार समूहों ने जताई चिंता

ईरान (एजेंसी)। ईरान ने शनिवार को छह कैदियों को फांसी दे दी, जिन पर आरोप है कि उन्होंने इस्त्राइल की ओर

से देश के तेल समृद्ध दक्षिण-पश्चिम में हमले किए थे। मानवाधिकार कार्यकर्ता चेतावनी देते हैं कि ईरान अक्सर अपने मृत्युदंड के मामलों में, खासकर इस्त्राइल से जुड़े मामलों में, जबरन लिए गए बयान और बंद कमरे में सुनवाई का सहारा लेता है। ईरान ने शनिवार को छह कैदियों को मौत की सजा दी। इन पर आरोप था कि उन्होंने देश के तेल-समृद्ध दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में इस्त्राइल के लिए हमले किए। ये कैदी इस साल के बढ़ते हुए फांसी के मामलों में शामिल हैं, जिसे दशकों में सबसे अधिक माना जा रहा है। ये फांसी जून में 12 दिनों तक चले ईरान-इस्त्राइल युद्ध के बाद दी गई हैं, जिसमें तेहरान ने अपने दुश्मनों को देश में और बाहर निशाना बनाने की चेतावनी दी थी। हालांकि, मानवाधिकार कार्यकर्ता चेतावनी देते हैं कि ईरान अक्सर अपने मृत्युदंड के मामलों में, खासकर इस्त्राइल से जुड़े मामलों में, जबरन लिए गए बयान और बंद कमरे में सुनवाई का सहारा लेता है। ईरान ने पुलिस अधिकारियों और सुरक्षा बलों की हत्या का लगाया आरोप ईरान ने कहा कि इन लोगों ने पुलिस अधिकारियों और सुरक्षा बलों की हत्या की और ईरान के अशांत खुजस्तान प्रांत के खोर्रमशहर के आसपास के ठिकानों को निशाना बनाकर बम विस्फोटों की योजना बनाई। उनके नाम तुरंत पहचाने नहीं जा सके और ईरानी सरकारी टेलीविजन ने हमलों के बारे में बात करते हुए एक व्यक्ति का फुटेज प्रसारित किया, जिसमें कहा गया कि यह पहली बार है जब विवरण सार्वजनिक किए जा रहे हैं। खुजस्तान करती आ रही भेदभाव की शिकायत खुजस्तान की अरब आबादी लंबे समय से ईरान की केंद्र सरकार द्वारा भेदभाव की शिकायत करती रही है, और विद्रोही समूहों ने निम्न-स्तरीय विद्रोह के तहत वहां तेल पाइपलाइनों पर हमले किए हैं। हाल के वर्षों में देश भर में हुए विरोध प्रदर्शनों की लहरों ने ईरान के अन्य हिस्सों की तरह इस क्षेत्र को भी प्रभावित किया है। ईरान लंबे समय से मौत की सजा देता आ रहा ईरान ने शनिवार को एक अन्य कैदी को मौत की सजा दे दी, जिस पर 2009 में ईरान के कुर्दिस्तान प्रांत में अन्य अपराधों के अलावा एक सुन्नी धर्मगुरु की हत्या का आरोप था। विरोध प्रदर्शनों और जून के युद्ध के जवाब में, ईरान 1988 के बाद से तेजी से कैदियों को मौत की सजा दे रहा है, जब ईरान-इराक युद्ध के अंत में उसने हजारों लोगों को मौत की सजा दी थी। संयुक्त राष्ट्र ने की ईरान की आलोचना ओस्लो स्थित समूह ईरान ूमन राइट्स और वाशिंगटन स्थित अब्दुर्रहमान बोरौमंद सेंटर फॉर ूमन राइट्स इन ईरान ने अनुमान लगाया है कि 2025 में फांसी दिए जाने वाले लोगों की संख्या 1,000 से अधिक होगी।

जापान की सत्ताधारी पार्टी की अध्यक्ष चुनी गईं साने ताकाइची, देश की पहली महिला पीएम बनेंगी

टोक्यो (एजेंसी)। ताकाइची एक मजबूत सेना, सैन्य खर्च बढ़ाने, परमाणु संलयन को बढ़ावा देने, साइबर सुरक्षा और आव्रजन पर सख्त नीति की

समर्थक हैं। ताकाइची शाही परिवार में केवल पुरुषों के उत्तराधिकार की समर्थक हैं, वे समलैंगिक विवाह का विरोध करती हैं। जापान की सत्तारूढ़ पार्टी ने शनिवार को पूर्व आर्थिक सुरक्षा मंत्री साने ताकाइची को अपना नया नेता चुन लिया, जिसके साथ ही उनके देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया। ताकाइची ने सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा कराए गए अंतर-दलीय मतदान में कृषि मंत्री शिंजिरो कोइजुमी को हराया, जो पूर्व प्रधानमंत्री जुनिचिरो कोइजुमी के बेटे हैं। एक मजबूत सेना की समर्थक हैं ताकाइची साने ताकाइची की छवि एक अति-रूढ़िवादी नेता की है। 64 वर्षीय साने ताकाइची, पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर की प्रशंसक हैं और जापान के लिए पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के रूढ़िवादी दृष्टिकोण की समर्थक मानी जाती हैं। लिबरल डेमोक्रेट्स पार्टी एक पुरुष प्रधान पार्टी है और ताकाइची इस पार्टी की पहली महिला अध्यक्ष हैं। ताकाइची साल 1993 में पहली बार अपने गृहनगर नारा से सांसद चुनी गईं थीं। उन्होंने आर्थिक सुरक्षा, आंतरिक मामलों और लैंगिक समानता मंत्री सहित कई अहम सरकारी पदों पर काम किया है। ताकाइची एक मजबूत सेना, सैन्य खर्च बढ़ाने, परमाणु संलयन को बढ़ावा देने, साइबर सुरक्षा और आव्रजन पर सख्त नीति की समर्थक हैं। ताकाइची शाही परिवार में केवल पुरुषों के उत्तराधिकार की समर्थक हैं, वे समलैंगिक विवाह का विरोध करती हैं और 19वीं सदी के नागरिक कानून में संशोधन का विरोध करती हैं। साने ताकाइची ने इन नेताओं को पछाड़ा जापान में अक्तूबर के मध्य में संसदीय मतदान होने की उम्मीद है। संसदीय मतदान में ताकाइची अगर पीएम चुन ली जाती हैं तो वे शिगेरु इशिबा की जगह लेंगी, जिन्होंने सितंबर में पीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। दरअसल जुलाई में जापानी संसद के उच्च सदन में सत्ताधारी एलडीपी पार्टी को हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद पार्टी में इशिबा का विरोध बढ़ गया और उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

भीषण सड़क दुर्घटना में नागपुर के कारोबारी और उसकी पत्नी की मौत, बेटी की हालत गंभीर

रोम (एजेंसी)। इटली के ग्रोसेटो में शुक्रवार सुबह हुई सड़क दुर्घटना में दो भारतीयों सहित तीन लोगों की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब एक वैन और नौ सीट वाली मिनीबस में टकरा गई। हादसे में बच्चों सहित पांच लोग घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इटली में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि मृतक नागपुर के भारतीय नागरिक थे।

ट्रंप की अपील दरकिनार कर गाजा पर इस्त्राइल का हमला; 6 मरे, हमास ने कहा- हम समझौते पर बातचीत को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हमास ने गाजा शांति समझौते पर बातचीत शुरू करने पर अपनी सहमति दे दी है। संगठन ने शनिवार को कहा कि वह समझौते के सभी शर्तों को अंतिम रूप देने के लिए वार्ता शुरू करने के लिए तैयार है। इसका प्रस्ताव इस सप्ताह के शुरू में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रखा था। हमास की ओर से यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब इस्त्राइल ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अपील को दरकिनार कर गाजा पट्टी पर ताजा हवाई हमले किए हैं। इस बीच, अमेरिका तनाव कम करने के प्रयास जारी रखे हुए है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि हमलों में छह लोग मारे गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि एक हमले में गाजा शहर के एक घर

में चार लोग मारे गए, जबकि दूसरे हमले में दक्षिण में खान यूनिस में दो अन्य लोग मारे गए। हमास ने पहले संकेत दिया था कि उसने प्रस्तावित योजना के कुछ तत्वों को स्वीकार कर लिया है। इसका मकसद को रोकना और 7 अक्तूबर 2023 के हमले के दौरान पकड़े गए सभी शेष बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करना है। बंधकों के घर लौटने का इंतजार: डोनाल्ड ट्रंप दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा संघर्ष को खत्म करने के लिए उनके शांति प्रस्ताव के समर्थन के लिए विश्व नेताओं को धन्यवाद दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा है कि वे बंधकों को घर लौटते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं। हालांकि ट्रंप ने यह भी स्वीकार किया कि कुछ (बंधकों) की हालत गंभीर हो सकती है। व्हाइट हाउस की ओर से शनिवार को साझा किए गए एक वीडियो संदेश में, ट्रंप ने शांति समझौते को सुनिश्चित करने में मदद के लिए कतर, तुर्की, सऊदी अरब, मिस्र और जॉर्डन जैसे देशों के प्रति आभार जताया। ट्रंप ने कहा कि कहा कि इसे संभव बनाने के लिए कई लोगों ने बहुत मेहनत की है और यह एक महत्वपूर्ण दिन है। इस्त्राइली सेना ने कहा- वह ट्रम्प की योजना के पहले चरण की तैयारी को आगे बढ़ाएगी इस्त्राइली सेना ने शनिवार को कहा कि वह गाजा में युद्ध समाप्त करने और शेष सभी बंधकों को वापस करने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की योजना के पहले चरण की तैयारी को आगे बढ़ाएगी। यह बात हमास द्वारा समझौते के कुछ हिस्सों को स्वीकार करने की बात कहने के बाद कही गई है, जबकि अन्य पर अभी भी बातचीत की आवश्यकता है। सेना ने कहा कि उसे इजराइली नेताओं ने योजना के क्रियान्वयन के लिए अग्रिम तैयारी करने का निर्देश दिया है। एक अधिकारी, जिसे मीडिया से बात करने का अधिकार नहीं था, ने कहा कि इजराइल गाजा में केवल रक्षात्मक स्थिति में आ गया है और सक्रिय रूप से हमला नहीं करेगा। अधिकारी ने कहा कि पट्टी से कोई भी सेना नहीं हटाई गई है। ट्रंप ने अपने बयान में इन देशों का जताया आभार अपने वीडियो संदेश में ट्रंप ने कहा, मैं उन देशों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ जिन्होंने इसे एक साथ लाने में मेरी मदद की - कतर, तुर्की, सऊदी अरब, मिस्र, जॉर्डन और कई अन्य। इतने सारे लोगों ने बहुत कड़ा संघर्ष किया। यह एक बड़ा दिन है अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि शांति समझौता निकट है। कई देश मध्य पूर्व में युद्ध समाप्त करने व शांति स्थापित करने के लिए एकजुट हैं। ट्रंप ने कहा, ₹मैं बंधकों के अपने माता-पिता के पास घर लौटने का इंतजार कर रहा हूं ₹दुर्भाग्य से, आप जानते हैं कि कुछ बंधक किस हालत में हैं।

उत्तर रेलवे

नीलामी सूचना

संख्याः C/113-E-AuctionPolicy/2024/SKS दिनांकः 03.10.2025

सर्व साधारण को अवगत किया जाता है कि उत्तर रेलवे, वाराणसी स्टेशन के LPO कार्यालय में कुल 65 दो पहिया वाहन (मोटर साइकिल, स्कूटर, मोपेड) जो असंबद्ध एवं दावा रहित है उन सभी स्क्रैप दो पहिया वाहन की नीलामी की जानी है। नीलामी से पूर्व की समस्त प्रक्रिया पूर्ण की जा चुकी है। मण्डल कार्यालय द्वारा नीलामी की तिथि 15.10.2025 को निर्धारित की गई है। नीलामी हेतु उक्त समस्त स्क्रैप दो पहिया वाहनों की विस्तृत सूची दिनांक 16.09.2025 के दैनिक समाचार पत्र (हिंदुस्तान, हिंदुस्तान टाइम्स, दैनिक जागरण) में प्रकाशित की जा चुकी है।

जिस किसी व्यक्ति को नीलामी प्रक्रिया में भाग लेना है। वे दिनांक 15.10.2025 को प्रातः 10:00 बजे LPO कार्यालय, उ. रे. वाराणसी में अपने फोटो पहचान पत्र (मूल एवं छाया प्रति) के साथ पहुंच कर नीलामी प्रक्रिया में भाग ले सकते है। नीलामी प्रक्रिया पूर्ण होने तक सभी भाग लेने वाले व्यक्ति नीलामी स्थल पर उपस्थित रहेंगे। सभी से नीलामी के दौरान शांति पूर्वक वातावरण बनाए रखने की अपेक्षा है।

3070/25 वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों की संख्या में वृद्धि-2025

पहले से ही घोषित अनेक त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों के साथ-साथ रेलवे द्वारा निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ी का भी संचालन किया जायेगा। इन रेल सेवाओं की समय-सारणी निम्नानुसार होगी:-

03223/03224 राजगीर-हरिद्वार-राजगीर पूजा विशेष एक्सप्रेस (साप्ताहिक) | 24 फेरे

रेलगाड़ी सं. 03223		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 03224	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	04:05	राजगीर	07:15	---
05:15	---	हरिद्वार	---	07:20

चलने के दिनः 03223 राजगीर से दिनांक 10.10.2025 से 26.12.2025 तक (प्रत्येक शुक्रवार) को और **03224 हरिद्वार से** दिनांक 11.10.2025 से 27.12.2025 तक (प्रत्येक शनिवार) को।

स्थानः 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

ठहरावः नालन्दा, पावापुरी रोड, बिहार शरीफ जं., वेना, हरनौत, बख्तियारपुर जं., फतुहा जं., पटना साहिब, पटना जं., दानापुर, आरा जं., बक्सर जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., वाराणसी, जौनपुर जं., अयोध्या धाम जं., लखनऊ, शाहजहाँपुर, बरेली, मुरादाबाद जं., नजीबाबाद जं. एवं लक्सर जं. के स्टेशन।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे

आपकी सुविधा-हमारा ध्येय

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

3072/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पीओके में झुकी पाकिस्तान सरकार, प्रदर्शनकारियों की अधिकतर मांगें मानी; समझौते पर किए हस्ताक्षर

मुजफ्फराबाद (एजेंसी)। पीओके में प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार को झुका दिया है। पाकिस्तान सरकार ने प्रदर्शनकारियों की अधिकतर मांगें मान ली हैं और समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इसके साथ ही पीओके में बीते कई दिनों से चल रहे हिंसक विरोध प्रदर्शन बंद हो गए। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बीते कई दिनों से हिंसक विरोध प्रदर्शन हो रहे थे, जिनमें कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और सैंकड़ों घायल हुए। प्रदर्शनकारियों के आगे झुकी पाकिस्तान सरकार शनिवार को पाकिस्तान की संघीय सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच विरोध प्रदर्शनों को समाप्त करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत पाकिस्तान सरकार ने प्रदर्शनकारियों की कई मांगें मान ली हैं।

पाकिस्तानी आतंकी ने यूएस में छिपे गैंगस्टर 'पासिया' के साथ मिलकर रची साजिश

निशाने पर पूर्व पुलिस अफसर

नईदिल्ली (एजेंसी)। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान, जहां से भारत में लगातार आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। पंजाब में कई बड़ी वारदातों को अंजाम देने वाले बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) आतंकवादी संगठन, मौजूदा समय में भी इसके सदस्य पाकिस्तान से अपना नेटवर्क चला रहे हैं। पाकिस्तान में बब्बर खालसा इंटरनेशनल का आतंकवादी हरविंदर सिंह उर्फ 'रिंदा' ने अमेरिका स्थित गैंगस्टर हैप्पी पासिया के साथ मिलकर पंजाब में एक पूर्व पुलिस अधिकारी को मारने की साजिश रची थी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने चंडीगढ़ सेक्टर 10 ग्रेनेड हमले के एक मुख्य आरोपी के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। इसमें कई अहम खुलासे हुए हैं। इस हमले के मास्टरमाइंड विदेशी बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आतंकवादी थे। पंजाब निवासी अभिजोत सिंह उर्फ बब्बा उर्फ गोपी को इस साल अप्रैल में हुए हमले में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया

था। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर पंजाब पुलिस के एक सेवानिवृत्त अधिकारी को निशाना बनाया था। इसके पीछे आतंकियों का मकसद, समाज में भय फैलाना था। एनआईए के अनुसार, इस साजिश में पाकिस्तान स्थित बीकेआई आतंकवादी हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा ने मुख्य भूमिका निभाई थी। उसे ही इस हमले का मास्टरमाइंड भी कहा जाता है। इसके लिए रिंडा ने अमेरिका स्थित गैंगस्टर हैप्पी पासिया के साथ मिलकर प्लान तैयार किया। पासिया को भारत में आतंकवादियों की भर्ती करना, धन जुटाना और उन्हें हथियार व विस्फोटक मुहैया कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। रिंदा और पासिया, दोनों को चार्जशीट में भगोड़े घोषित किया गया था। पिछले साल उक्त चार्जशीट में दो गिरफ्तार आरोपी रोहन मसीह और विशाल मसीह भी शामिल थे।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।